CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 183 ता. 16 जनवरी 2022,रविवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

सोपोर में हथियार-गोला-बारूद के साथ लश्कर के तीन आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर की सोपोर पुलिस ने लश्कर के तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 2 पिस्तौल, 2 पिस्तौल मैगजीन, 13 पिस्तौल राउंड और एक हथगोला बरामद किया गया है। यह मामल-ा 11 जनवरी का है। इस तरह जम्मू-कश्मीर पुलिस की तत्परता के चलते बढ़ी आतंकी साजिश नाकाम हो गई। जम्मू-कश्मीर में टेरर मॉनिटरिंग ग्रुप (टीएमजी) की रणनीति आतंकी गुटों पर भारी पड़ रही है। टीएमजी की प्रभावी कार्रवाई के चलते आतंकियों के जमीनी नेटवर्क पर नकेल कसने में काफी कामयाबी मिली है। आतंकी फंडिंग नेटवर्क को तोड़ने के लिए एजेंसियों की छापेमारी का काफी असर हुआ है। बड़े पैमाने पर ओवर ग्राउंड वर्कर गिरफ्तार हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में ओवर ग्राउंड वर्कर नेटवर्क पर नकेल कसने की कार्रवाई के तहत आतंकियों को लॉजिस्टिक मदद के आरोप में 1,900 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वर्ष 2020 और 2021 में जम्मू-कश्मीर में लगभग 195 आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया और पिछले साल लगभग 35 आतंकी ठिकानों का खुलासा किया गया। कुलगाम में बुधवार को मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी आतंकी को मार गिराया। आतंकवादी की पहचान बाबर के तौर पर हुई, जो पाकिस्तान का रहने वाला है। वह 2018 से ही जम्मू-कश्मीर के शोपियां और कुलगाम में सक्रिय था। आतंकी के पास से एक राइफल, एक पिस्तौल और दो ग्रेनेड बरामद किए गए हैं। कश्मीर पुलिस के आईजी विजय कुमार ने बताया कि इस मुठभेड़ के दौरान पुलिसकर्मी रोहित छिब्ब शहीद हो गए हैं। जबकि, सेना के 3 जवान जख्मी हुए हैं। दो नागरिक भी मामूली तौर पर जख्मी हुए हैं।

कोविड प्रोटोकाल के उल्लंघन पर सपा के 2500 कार्यकर्ताओं पर एफआईआर

- थाना प्रभारी गौतमपल्ली, दिनेश सिंह बिष्ट को कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर किया निलंबित

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य समेत कई विधायकों के शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल होने वाले कार्यक्रम में भारी संख्या में जुटी भीड़ द्वारा कोविड-19 प्रोटोकॉल उल्लंघन के संबंध में चुनाव आयोग के निर्देश पर सपा के 2500 कार्यकर्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसी मामले में चुनाव आयोग के निर्देश पर गौतमपल्ली थाने के प्रभारी को शुक्रवार देर रात निलंबित कर दिया गया। लखनऊ के पुलिस आयुक्त डी. के. ठाकुर ने बताया कि सपा कार्यालय में कोविड प्रोटोकॉल उल्लंघन के मामले में गौतमपल्ली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है और इस संबंध में थाना प्रभारी को निलंबित किया गया है। गौतमपल्ली थाने के उप निरीक्षक अजय कुमार सिंह की तहरीर पर करीब 2500 सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 188 (सरकारी निर्देशों का उल्लंघन), 269 (रोग का संक्रमण फैलाना), 270 (संक्रमण फैलाकर दूसरों की जान जोखिम में डालना) और 341 (किसी व्यक्ति को गलत तरीके से रोकना) के अलावा आपदा प्रबंधन अधिनियम और महामारी अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। सरकार द्वारा शुक्रवार देर रात जारी बयान के अनुसार भारत निर्वाचन आयोग ने कोविड महामारी की पृष्ठभूमि में विधानसभा चुनाव के संदर्भ में जारी आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में जिलाधिकारी, लखनऊ की ओर से प्रेषित रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए थाना प्रभारी गौतमपल्ली, दिनेश सिंह बिष्ट को कर्तव्यों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिये हैं। इस आदेश के बाद थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया। बयान के अनुसार आयोग ने सहायक पुलिस आयुक्त अखिलेश सिंह एवं लखनऊ मध्य विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी अपर नगर मजिस्ट्रेट-प्रथम गोविंद मौर्य को 15 जनवरी, शनिवार तक स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि उपनिरीक्षक ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि शुक्रवार को करीब दो-ढाई हजार सपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी मुख्यालय के आसपास विक्रमादित्य मार्ग पर बेतरतीब तरीके से वाहन खड़ा कर मार्ग अवरुद्ध किया और सपा कार्यालय में अवैध ढंग से जमावड़ा (भीड़ जुटान) किया।

देशभर में मनाया जा रहा है सेना दिवस सेना के बलिदान को शब्दों में व्यक्त करना कठिन: पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना, उसके सैनिकों और उनके परिजनों को बधाई दी है। उन्होंने ट्विटर पर किये अपने ट्वीट में कहा है कि मैं सेना दिवस के अवसर पर विशेष रूप से हमारे सभी साहसी सैनिकों, सम्मानित पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को सेना दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं देता हूं। भारतीय सेना दुनिया में अपनी बहादुरी और पेशेवर अंदाज के लिए जानी जाती है। उन्होंने लिखा कि राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में भारतीय सेना द्वारा की गई अमूल्य सेवाओं का वर्णन शब्दों के माध्यम से नहीं किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने अपने दूसरे ट्वीट में सेना के लिए लिखा कि भारतीय सेना के जवान प्रतिकूल परिस्थितियों और इलाकों में देश की सेवा करते हैं और प्राकृतिक आपदाओं सहित मानवीय संकट के दौरान साथी नागरिकों की मदद करने में सबसे आगे हैं। इसी के साथ हमारे जवान विदेशों में भी शांति अभियानों में हमेशा बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। भारत की सेना के शानदार योगदान पर भारत को गर्व है। दरअसल फील्ड मार्शल केएम करियप्पा आजाद भारत के पहले भारतीय सेना प्रमुख 15 जनवरी 1949 को बने थे। ये भारत के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक माना जाता है। इसलिए हर साल 15 जनवरी को भारत में भारतीय सेना दिवस फील्ड मार्शल केएम करियप्पा की याद के तौर पर मनाया जाता है। मिली जानकारी के मुताबिक आज 15 जनवरी को भारत में सेना दिवस के मौके पर थलसेना की ताकत देखने को मिलेगी। इस मौके पर थलसेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे राजधानी दिल्ली में कैंट स्थित करियप्पा ग्राउंड में परेड की सलामी लेंगे। इ स साल की परेड इसलिए भी खास है क्योंकि आज पहली बार भारतीय सैनिकों की नई कॉम्बेट यूनिफार्म की झलक देखने को मिलेगी। डिजिटल पैटर्न पर द्वारा तैयार की गई इस यूनिफार्म को ही सैनिक युद्ध के मैदान और ऑपरेशनल एरिया में पहना करेंगे। थलसेना प्रमुख सैनिकों को संबोधित भी करेंगे।

टिकट मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी का बड़ा दावा- UP में BJP प्रचंड बहुमत से बनाएगी सरकार

गोरखपुर। गोरखपुर से टिकट देने के लिए भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में पार्टी प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। आसन्न उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने शनिवार को दिल्ली में 107 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। मुख्यमंत्री योगी गोरखपुर शहर से चुनाव लड़ेंगे जबकि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कौशाम्बी जिले की सिराथू सीट से चुनाव मैदान में उतरेंगे। भाजपा की सूची जारी होने के कुछ घंटे बाद गोरखपुर के मेडिकल कॉलेज में कोरोना महामारी की तैयारियों का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में अपनी पहली प्रतिक्रिया के रूप में योगी ने कहा, ''मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा और संसदीय बोर्ड का आभारी हूं जिन्होंने मुझे गोरखपुर से भाजपा का प्रत्याशी बनाया हैं। गोरखपुर की जनता, कार्यकर्ताओं तथा अपने सभी वर्तमान और पूर्व जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के सहयोग से भाजपा प्रदेश में प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी।'' उन्होंने कहा, ''आज भाजपा ने पहले और दूसरे चरण के चुनाव के लिए पहली सूची जारी की है। भाजपा प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएगी, इसमें कोई शक नहीं है। भाजपा ने राष्ट्रवाद, विकास और सुशासन के मुद्दे पर जिस प्रभावी ढंग से काम किया हैं, वह सभी लोगों के सामने हैं।'' योगी अभी विधानपरिषद के सदस्य हैं। योगी पांच बार गोरखपुर से सांसद रह चुके हैं। पार्टी ने जिन 107 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की है, उनमें से 105 सीटों पर पहले और दूसरे चरण में मतदान होना है। गोरखपुर में छठे चरण के तहत तीन मार्च को मतदान होगा।

उत्तराखंड कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी में बनी सभी 70 सीटों पर सहमति

देहरादून (एजेंसी)।

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी ने लगातार दूसरे दिन स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक की। बैठक में 70 सीटों पर चर्चा हुई।बैठक के बाद उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि 70 सीटों पर चर्चा हुई और लगभग सभी नामों को उम्मीदवारों की योग्यता के आधार पर अंतिम रूप दिया गया है। शनिवार को हम केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) के सामने ये नाम पेश करने वाले है। सूत्रों के अनुसार स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में हरीश रावत के भी विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना पर भी चर्चा हुई। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई फैसला नहीं लिया जा सका और बताया जा रहा है कि हरीश रावत के लिए केन्द्रीय नेतृत्व ही अंतिम फैसला करेगा। उम्मीद है कि स्क्रीनिंग कमेटी की ओर से सभी 70 सीटों पर सहमति बनने के बाद अब कांग्रेस पार्टी अब जल्द ही सभी सीटों पर उम्मीदवार उतार देगी। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में उम्मीदवारों को लेकर अंतिम मुहर लगेगी। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार से पहले गुरुवार को भी रात साढ़े 11 बजे तक स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक हुई। इसमें गुरुवार को करीब 30 से 40 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम पर सहमति बनी और फिर बची हुई सीटों पर शुक्रवार को चर्चा हुई। शुक्रवार को बैठक सुबह 11 बजे बैठक शुरू हुई। सभी सीटों पर प्रत्याशियों के नाम पर स्क्रीनिंग कमेटी ने मुहर लगा दी।

जम्मू कश्मीर में सरकारी पहल के तहत सूर्य नमस्कार किया गया

- विभिन्न राजनीतिक एवं धार्मिक समूहों ने आलोचना की

श्रीनगर (एजेंसी)।

जम्मू कश्मीर प्रशासन ने कहा कि लोगों ने एक सरकारी पहल के तहत केंद्र शासित प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में सूर्य नमस्कार किया। हालांकि प्रशासन के इस कदम की कई राजनीतिक और धार्मिक समूहों ने आलोचना की तथा इसे धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करार दिया। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि अनंतनाग में युवा सेवा और खेल कार्यालय ने मकर संक्रांति के अवसर पर छात्रों और कर्मचारियों के सदस्यों द्वारा सूर्य नमस्कार के लिए बड़े पैमाने पर डिजिटल और शारीरिक उपस्थित वाले कार्यक्रमों का आयोजन किया। प्रवक्ता ने कहा कि यह अभ्यास जिला मुख्यालय और जिले के कुछ अन्य क्षेत्रों में कोविड -19 दिशानिर्देशों का पालन करते हुए किया गया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिभागियों ने इसमें बहुत रुचि दिखाई क्योंकि वे सभी मानते हैं कि इस तरह के कार्यक्रमों से शारीरिक तंदुरूस्ती बढ़ती है। खासकर जब वे कोविड पाबंदियों के कारण घर में पृथकवास में होते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत की गई।

जम्मू कश्मीर प्रशासन के उस आदेश की विभिन्न राजनीतिक एवं धार्मिक समूहों ने आलोचना की जिसमें केंद्र शासित प्रदेश के कॉलेज प्रमुखों को मकर संक्रांति के अवसर पर बड़े पैमाने पर सूर्य नमस्कार आयोजित करने का निर्देश दिया गया था।

गणतंत्र दिवस परेड के दौरान 24,000 लोगों को उपस्थित रहने की होगी अनुमति

नई दिल्ली । कोरोना संबंधी हालात के तहत दिल्ली में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड के दौरान करीब 24,000 लोगों को उपस्थित रहने की अनुमति होगी। रक्षा प्रतिष्ठान में सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि देश में वैश्विक महामारी की मार पड़ने से पहले 2020 में करीब 1.25 लाख लोगों को परेड के दौरान उपस्थित रहने की अनुमति थी। उन्होंने बताया कि पिछले साल कोरोना के प्रकोप के बीच गणतंत्र दिवस परेड का आयोजन किया गया था और करीब 25,000 लोगों को इस दौरान उपस्थित रहने की अनुमति थी। सूत्रों ने बताया कि पिछली बार की तरह इस बार भी वैश्विक महामारी के कारण मुख्य अतिथि के रूप में विदेश से किसी गणमान्य व्यक्ति को संभवतः आमंत्रित नहीं किया जाएगा। भारत उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य और ताजिकिस्तान के नेताओं को आमंत्रित करने की योजना बना रहा है। उन्होंने बताया कि इस साल परेड के दौरान उपस्थित रहने वाले करीब 24,000 लोगों में से 19,000 लोगों को आमंत्रित किया जाएगा और शेष आमजन होंगे, जो टिकट खरीद सकते है। परेड के दौरान कोविड-19 संबंधी सभी प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा।

महाराष्ट्र में भयावह कोरोना, दिल्ली में 24,383 नए केस, देश में संक्रमण दर 15 फीसद के करीब

रोज सामने आ रहे नए मामले भी अपने 220 दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंचे, बढ़ा तीसरी लहर का प्रभाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में कोरोना की तीसरी लहर भयावह हो चली है। नए साल के पहले दिन संक्रमण दर जहां दो प्रतिशत थी वहीं अब यह 15 प्रतिशत के करीब हो गई है। दिल्ली में दैनिक संक्रमण दर 30 प्रतिशत के करीब है। साप्ताहिक संक्रमण दर भी दो अंकों में है। रोज सामने आ रहे नए मामले भी अपने 220 दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। महाराष्ट्र में संक्रमण की रफ्तार डरा रही है। यहां कोरोना के 43,211 नए मामले सामने आए जबकि 19 लोगों की से मौत हुई। महाराष्ट्र में ओमिक्रोन के 238 मामले आए हैं। राज्य में ओमिक्रोन के कुल मामलों की संख्या अब 1,605 है। महाराष्ट्र और दिल्ली में नए मामलों में कुछ कमी देखी गई। इन दोनों ही जगहों में पिछले कुछ दिनों से लगातार मामले बढ़ रहे थे। दिल्ली में 24383 केस पाए गए हैं। एक दिन पहले 28,867 मामले मिले थे। तमिलनाडु में कोरोना के 23,459 नए मामले सामने आए जबकि 26 मरीजों की मौत हो गई। राज्य में 1,18,017 सक्रिय मामले हैं। कर्नाटक में कोरोना के 28,723 नए मामले सामने आए जबकि 14 लोगों की मौत हो गई। सूबे में 1,41,337 एक्टिव केस हैं। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने कहा है कि तीसरी लहर के दौरान राज्य में तीन दिन में ही मामले दोगुना हो रहे हैं। उन्होंने राज्य में बढ़ते मामलों के लिए कांग्रेस की पदयात्रा को जिम्मेदार बताया है। पश्चिम बंगाल में कोरोना के 22,645 नए मामले सामने आए जबकि 28 लोगों की मौत हो गई। बंगाल में 1,45,483 एक्टिव केस हैं। वहीं असम में कोरोना के 2,348 नए मामले आए हैं, जबकि पांच लोगों की मौत हुई है। झारखंड में कोरोना के 3,749 नए मामले आए जबकि तीन लोगों की संक्रमण से मौत हुई है।

केंद्रीय कर्मियों की न्यूनतम बेसिक सेलरी 18,000 से बढ़ाकर 26,000 रुपए करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विधानसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार के कर्मचारियों को बड़ा तोहफा मिल सकता है। सरकार केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी में बढ़ोतरी करने जा रही है। सूत्रों के अनुसार केंद्र सरकार फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाने पर भी विचार कर रही है। बताया जाता है कि केंद्रीय कर्मचारियों की न्यूनतम बेसिक सेलरी 18 हजार रुपए की जगह 26 हजार रुपए की जा सकती है। केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों का फिटमेंट फैक्टर बढ़ाया जा सकता है। गौरतलब है कि केंद्रीय कर्मचारियों की सेलरी बढ़ाने के लिए फिटमेंट फैक्टर का ही इस्तेमाल होता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कर्मचारी संगठन इस मामले में सरकार के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे, जिसके बाद संभावना है कि न्यूनतम सैलरी में बड़ा इजाफा किया जा सकता है।

अगर मोदी सरकार फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाती है, तो कर्मचारियों का न्यूनतम मूल वेतन यानी बेसिक सेलरी बढ़कर 26,000 हो सकती है। अगर बजट से पहले कैबिनेट की मंजूरी मिल जाती है, तो हो सकता है कि बजट से पहले यह लागू भी कर दिया जाए। उल्लेखनीय है कि केंद्र और राज्य कर्मचारियों की लंबे समय से मांग है कि उनके फिटमेंट फैक्टर को 2.57 प्रतिशत से बढ़ाकर 3.68 प्रतिशत कर दिया जाए। बताया जा रहा है कि केंद्रीय कर्मचारियों के फिटमेंट फैक्टर को लेकर सरकार विचार कर सकती है।

केंद्रीय कर्मचारियों के फिटमेंट फैक्टर को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिल सकती है। कैबिनेट के अप्रूवल के बाद इसे एक्सपेंडीचर में शामिल किया जा सकता है। अगर बेसिक पे 18,000 रुपए से बढ़कर 26,000 रुपए हो जाती है, तो महंगाई भत्ता भी बढ़ जाएगा। महंगाई भत्ता बेसिक वेतन के 31 फीसदी के बराबर है। डीए का कैलकुलेशन डीए की दर को बेसिक पे से गुणा करके निकाला जाता है, यानी बेसिक वेतन बढ़ने से अपने आप महंगाई भत्ता भी बढ़ जाएगा।

महिला वोटरों ने पार किया एक करोड़ का आंकड़ा

चंडीगढ़ । वर्ष 2017 में हुई पिछली विधानसभा मतदान के मुकाबले पिछली 1 जनवरी तक संशोधन करके जारी की वोटर सूचियों अनुसार इस दौरान राज्यों में महिला वोटरों की संख्या में पुरुष वोटरों की संख्या के मुकाबले ज्यादा विस्तार दर्ज किया गया है। यही नहीं राज्यों में महिला वोटरों की संख्या ने एक करोड़ का संख्या भी पार कर लिया है। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी दफ्तर की तरफ से मिले डाटा अनुसार वर्ष 2017 विधानसभा मतदान में 1,98,79,069 योग्य वोटर थे। इस बार 2,12,75,066 हैं। महिला वोटर 1,00,86,514 हैं। कुल योग्य वोटरों में 13,95,997 विस्तार दर्ज किया गया है। पुरुष वोटरों में 6,84,749 और महिला वोटरों में 7,10,968 और थर्ड जैंडर में 280 का विस्तार दर्ज किया गया है। महिला वोटरों में पुरुष वोटरों के मुकाबले 26,219 का विस्तार दर्ज किया गया है। राज्य चुनाव कमीशन की तरफ से पिछली 1 जनवरी तक मिले वोटर डाटा अनुसार राज्यों में 80 वर्षों से ज्यादा उम्र वर्ग के 5,13,229 वोटर इस बार अपने वोट के अधिकार को प्रयोग कर सकेंगे, जबकि 18-19 वर्ष उम्र वर्ग के 2,78,969 नए वोटर वोटिंग के अधिकार का प्रयोग करेंगे। दिव्यांग वोटरों की संख्या 1,44,667 है। राज्य चुनाव अधिकारी दफ्तर अनुसार वोट प्रबंधन के लिए इस बार वर्ष 2017 के मुकाबले 2074 वोटिंग केंद्र ज्यादा स्थापित किए गए हैं। वर्ष 2017 में इनकी संख्या 22615 थी, जिसको बढ़ा कर 24689 कर दिया गया है। डाटा अनुसार 14 फरवरी को विधानसभा मतदान के लिए पड़ने वाली वोटों में 1601 प्रवासी भारतीय अपनी वोट का प्रयोग कर सकेंगे।

यूके ने अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर सौदे से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी देकर लगा दी शर्त, अदालत में इस्तेमाल नहीं होगा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने सीबीआई की विशेष अदालत को सूचित किया कि एजेंसी 3,600 करोड़ रुपये के वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाला मामले की जांच के संबंध में अनुरोध पत्र (एलआर) के जवाब में ब्रिटिश सरकार से प्राप्त कुछ महत्वपूर्ण सूचनाओं को अदालत के सामने पेश करने में असमर्थ है। सीबीआई ने कोर्ट से कहा कि ब्रिटिश सरकार ने भारत सरकार के साथ इस शर्त पर जानकारी साझा की कि इसका उपयोग अदालत में नहीं होगा। सीबीआई अदालत भारतीय वायुसेना में अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टरों सौदे से जुड़े कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सीबीआई के मामले में सह-आरोपी अगस्ता वेस्टलैंड द्वारा दोहरे खतरे की याचिका पर यह शर्त लगाई गई है। कंपनी ने तर्क दिया है कि इतालवी अदालत द्वारा पहले ही समान आरोपों पर मुकदमा चलाया जा चुका है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि अगस्ता वेस्टलैंड द्वारा मिशेल को ब्रिटिश कंपनी के पक्ष में वीवीआईपी हेलिकॉप्टर सौदे को स्विंग कराने के लिए 'कमीशन के तौर पर भेज पैसों से जुड़ी जानकारी दी। अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी का उसकी इतालवी पेरेंट कंपनी में फिनमेकेनिका के साथ विलय कर दिया गया है। मिशेल की जमानत याचिका का विरोध करते हुए, एजेंसी के वकील ने अदालत को बताया कि भारत सरकार सक्रिय रूप से अपने ब्रिटिश समकक्ष के साथ मामले को उठा रही है।साथ ही उनसे प्रतिबंध हटाने का आग्रह कर रही है। यह जानकारी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अगस्ता वेस्टलैंड द्वारा मिशेल को भुगतान किए गए पैसे को स्थापित करती है। यह जानकारी सामने आई थी कि मिशेल ने कथित तौर पर सौदे को सुरक्षित करने के लिए भारत सरकार में प्रभावशाली लोगों को रिश्वत का भुगतान किया।

विशेषज्ञों का कहना है कि

कोरोना के हल्के लक्षण में पेरासिटामोल ही काफी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

कोरोना की तीसरी लहर में रोज लाखों मामले आ रहे हैं।शनिवार को केंद्र की तरफ से जो आंकड़े जारी किए हैं, उसके मुताबिक, 2.68 लाख नए मामले सामने आए हैं।शुक्रवार की तुलना में यह सिर्फ चार हजार अधिक है। संक्रमण के मामले भले ही लगातार बढ़ रहे हों, लेकिन रिकवरी रेट राहत दे रही है। जानकारों का कहना है, कि तीसरी लहर में हल्के लक्षण वाले मामले अधिक सामने आ रहे हैं। दूसरी लहर की तुलना में अस्पतालों पर भी कम दबाव है। विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना के हल्के संक्रमण के मामले में पेरासिटामोल ही काफी है। उन्होंने मोलनुपिरवीर और एजथ्रोमाइसिन के भारी उपयोग को लेकर चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि पेरासिटामोल और अन्य सहायक दवाईयां हल्के लक्षण के केस में बीमारी से उबरने के लिए काफी है।

जिन रोगियों को कोरोना टीका नहीं लगा है, लंबे समय से किसी बीमारी से ग्रसित हैं,तब उन्हें उच्च जोखिम वाला रोगी माना जा सकता है। विशेषज्ञों ने कहा कि गंभीर लक्षणों की ओर बढ़ने पर ऐसे रोगियों की निगरानी की जानी चाहिए। एंटीवायरल मोलनुपिरवीर के साथ सावधानी से इनका इलाज किया जा सकता है। राष्ट्रीय कोविड टास्क फोर्स के एक सदस्य और संक्रामक रोग विशेषज्ञ ने कहा,मोलनुपिरवीर को वर्तमान में एक गैर-टीकाकृत आबादी में मामूली लाभ के कारण हल्की बीमारी के प्रबंधन के लिए अनुशंसित नहीं किया गया है।÷ पुजारी ने कहा कि बिना किसी जोखिम वाले मामलों यानी हल्के संक्रमण वाले कोविड रोगियों पर इन दवाओं का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। यह अभी भी व्यापक रूप से हल्की बीमारी के इलाज के लिए निर्धारित किया जा रहा है।

आकाश आनंद और कपिल मिश्रा होंगे पार्टी के फ्यूचर फेस, फिर यूपी की सत्ता में लौटेगी बसपा : मायावती

लखनऊ (एजेंसी) ।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती का शनिवार को जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर मायावती ने कहा कि बसपा इस बार उत्तर प्रदेश में सत्ता में वापसी करेगी। अपने जन्मदिन के मौके पर लखनऊ में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा लोग बसपा के पिछले कामकाज के आधार पर वोट देंगे और उसे राज्य की बागडोर सौंपेंगे। ज्ञात हो कि मायावती का जन्म 15 जनवरी 1956 को हुआ था। यूपी की पूर्व सीएम शनिवार को वह 66 साल की हो गईं हैं। मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद के बारे में कहा कि वह पार्टी में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं। मायावती ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में केंद्र और राज्य की सरकारों ने साम-दाम-दंड भेद की नीति की जरिए बीएसपी की मुहिम को कमजोर करने की कोशिश की है, लेकिन उन्हें सफलता नहीं लगी है। उन्होंने कहा कि यह प्रचारित किया जा रहा है कि अब वह चुनाव नहीं लड़ेंगी, जबकि हमारे संविधान में प्रावधान है कि विधान परिषद या राज्यसभा का सदस्य बिना चुनाव लड़े बन सकता है और इस आधार पर वह प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री भी बन सकता है। मायावती ने कहा कि वे लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों की सदस्य रह चुकी हैं। उन्होंने कहा कि उनके जन्मदिन को लोग जनकल्याणकारी दिवस के रूप में सादगी और संजीदगी के रूप में मना रहे हैं। मायावती ने कहा इस चुनाव में प्रदेश की तस्वीर बदलने वाली है। उन्होंने कहा कि यूपी की जनता

बहुजन समाज पार्टी के पिछले कामकाज के आधार पर बसपा को वोट देगी और उसे सत्ता में लाएगी। मायावती ने उत्तराखंड, पंजाब के मतदाताओं से भी बसपा के लिए वोट करने की अपील की। मायावती ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने भतीजे आकाश आनंद और बसपा महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा के बेटे कपिल मिश्रा का नाम लिया।

चंद्रशेखर ने अखिलेश को दलित विरोधी बताया, कहा सपा से गठबंधन संभव नहीं

लखनऊ ।

भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर ने समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन की संभावनाओं पर विराम लगा दिया है। चंद्रशेखर ने बताया सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव से कल मुलाकात हुई, जिसमें आरक्षण समेत सभी मुद्दों पर विस्तार के साथ बातचीत हुई। बैठक के दौरान अखिलेश यादव ने मुझे और बहुजन समाज को अपमानित किया है। चंद्रशेखर ने कहा कि अखिलेश यादव दलित विरोधी हैं। हम समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन के इच्छुक नहीं हैं। हम जेल गए, मेरी लड़ाई विधायक बनने की नहीं है, मुझे सामाजिक न्याय चाहिए। पिछले 5 साल में समाजवादी पार्टी ने दलित की हत्या और उनके शोषण पर आवाज नहीं उठाई। चंद्रशेखर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा पर हमला बोलते कहा हमारा उद्देश्य भाजपा को रोकना है। चंद्रशेखर ने बहन जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव से शुक्रवार को आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर ने मुलाकात की। उनकी यह मुलाकात सपा मुख्यालय पर करीब 50 मिनटों तक चली। इसके बाद चंद्रशेखर आजाद ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखी कि एकता में बड़ा दम है। मजबूती और एकता के बगैर भाजपा जैसी मायावी पार्टी को हराना आसान नहीं है।

छह सीटों पर उद्यमियों को टिकट देगी पंजाब में किसानों की पार्टी

चंडीगढ़ । केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए मजबूर करने वाले किसान संगठन अब पंजाब के सियासी अखाड़े में नजर आएंगे। सयुंक्त समाज मोर्चा (एसएसएम) नाम के किसान संगठन ने पंजाब चुनाव लड़ने का फैसला किया है। मोर्चा ने टिकट के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पार्टी के अनुसार 1,273 लोगों ने सयुंक्त समाज मोर्चा (एसएसएम) के समक्ष टिकट के लिए अपने दस्तावेज जमा किए हैं। किसान आंदोलन के दौरान किसान नेता सरकार पर उद्योगपतियों के हाथों की कठपुतली बनने का लगातार आरोप लगाते रहे हैं। दिल्ली से लगने वाली विभिन्न राज्यों की सीमा पर इसको लेकर कई होर्डिंग और बैनर भी लगवाए गए हैं। किसान संगठन के नेताओं ने कहा लुधियाना के छह शहरी क्षेत्रों का टिकट उद्योगपतियों को दिया जाएगा। शुक्रवार शाम एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोर्चा के नेता प्रेम सिंह भंगू ने कहा एसएसएम ने घोषणा की थी कि वह सभी 117 निर्वाचन क्षेत्रों में ईमानदार, शिक्षित और योग्य उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगा। हमें अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। भंगू ने कहा उन्होंने तय किया है कि लुधियाना शहर की छह सीटें उद्योगपतियों को दी जाएंगी।

विश्व हिन्दू युवा सेना के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंडित विनय मिश्र जी का मना जन्म दिन

बरहज देवरिया।

विश्व हिंदू युवा सेना के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंडित विनय मिश्र का जन्म दिन आनंत पीठ आश्रम में सादगी पूर्ण तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर प्रबुद्ध जनों ने माल्यार्पण कर और उनको मिठाई खिलाकर जन्मदिन की शुभकामना दी अपने जन्मदिन के अवसर पर मिश्र ने कहा कि सनातन धर्म एवं संस्कृति के लिए विश्व हिंदू युवा सेना सदैव तत्पर रहती है। उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि जो राम को लाए हैं हम उन्हें लाएंगे रेस में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ी हुई हैं विभिन्न राजनीतिक दल अपनी-अपनी गोटियां बिछाने में लगी हुई

हैं ऐसे में देश का हिंदू जाग उठा है। एक बार फिर उत्तर प्रदेश में जो राम को लाए हैं उनकी सरकार बनाने के लिए विश्व हिंदू युवा सेना कटिबद्ध है। उन्होंने आश्वस्त होते हुए कहा एक बार फिर उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की बहुमत की सरकार बनेगी जिसमें पूरे हिंदू जनमानस का सहयोग मिलेगा। इस दौरान कैलाश शर्मा, शुभम निषाद, सुनील गुप्ता अनमोल मिश्र , अवधेश कुमार , सीपी शुक्ला यस पी पाण्डेय, राम लखन निषाद, पवन पाण्डेय , संजय कुमार मौजूद रहे

'ट्रेन मैनेजर' किया जाएगा ट्रेन गार्ड का मौजूदा पदनाम, रेलवे बोर्ड ने जारी किया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

ट्रेन के गार्ड को अब 'गार्ड' नहीं कहा जाएगा, वे अब 'ट्रेन मैनेजर' कहलाएंगे। रेलवे ने इस फैसले से संबंधित अधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक रेल कर्मचारी संघों की लंबे समय से पोस्ट में बदलाव करने की मांग थी, लेकिन गार्ड के कामों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। यानी वे वहीं काम करना जारी रखेंगे जो वे पहले किया करते थे। रेलवे बोर्ड ने आदेश में गार्डों को 'ट्रेन मैनेजर' का नाम देने का निर्देश जारी कर दिया गया है। असिस्टेंट गार्ड को 'असिस्टेंट पैसेंजर ट्रेन मैनेजर' और सीनियर पैसेंजर गार्ड को 'सीनियर पैसेंजर ट्रेन मैनेजर' के रूप में फिर से नामित किया गया है। गार्ड के कामों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। इसके अलावा उन्हें पहले की तरह ही सैलरी मिलती रहेगी। उल्लेखनीय है कि गार्ड की शुरुआती सेलरी करीब 30 हज़ार रुपये है। इसके अलावा उन्हें कई तरह के भत्ते भी दिए जाते है। उदाहरण के लिए मालगाड़ी के गार्ड को हर किलोमीटर के हिसाब से भी भत्ते दिए जाते हैं। लिहाजा उन्हें कुल मिलाकर करीब 60 हज़ार रुपये मिलते हैं। रेलवे अब कॉर्पोरेट की तरह अपनी इमेज बदलने में जुटा है। हाल ही में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष को सीईओ का नाम दिया गया था। अधिकारियों ने कहा रेलवे प्राइवेट कंपनियों को ट्रेनों के संचालन की अनुमति देने की योजना बना रहा है। लिहाजा नामकरण में ये बदलाव स्वाभाविक हैं और रेलवे के आधुनिकीकरण के अनुरूप हैं। एक अधिकारी ने कहा कि यह काफी उपयुक्त होगा कि ट्रेन गार्ड के मौजूदा पदनाम को 'ट्रेन मैनेजर' में बदल दिया जाए, जो बिना किसी वित्तीय प्रभाव के उनके लिए एक सम्मानजनक पदनाम होगा, ताकि वह समाज में एक सम्मानजनक जीवन जी सकें।

बिहार में भाजपा और जदयू सबकुछ नहीं ठीक, लगातार जारी हैं तनातनी को दौर

पटना (एजेंसी)।

बिहार में नेता भले ही दावा करे कि सत्ताधारी गठबंधन में सबकुछ ठीक हैं, लेकिन ऐसा दिख नहीं रहा है। सम्राट अशोक को लेकर भाजपा और जदयू में हुई तनातनी के बीच शराबबंदी को लेकर बयानबाजी शुरू हो गई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने जदयू के प्रवक्ता अभिषेक झा के बयान पर आईना दिखाने की कोशिश की, तब जदयू ने भी उन्हें नसीहत देने में देर नहीं की है।

भाजपा सांसद जायसवाल ने पोस्ट करते हुए जदयू को नसीहत दी, ÷मीडिया की दुनिया से बाहर जाकर अपनी पंचायत के ही किसी आम व्यक्ति से संपर्क कर लीजिए। शराबबंदी और पुलिस की भूमिका समझ में आ जाएगी।÷ उन्होंने लिखा कि उनकी प्रवृत्ति नहीं कि व्यक्तिगत आरोपों का जवाब दें। मुझे पता चला कि जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा उनके लोकसभा क्षेत्र में जहरीली शराब के कारण हुई मृत्यु के बाद वहां जाने पर जवाब मांग रहे हैं। जदयू प्रवक्ता का मुझसे सवाल करना बताता है कि यह जदयू का बयान है, क्योंकि प्रवक्ता दल की बातें रखता है, व्यक्तिगत नहीं। जायसवाल ने लिखा कि वे जहरीली शराब से मरने वालों के स्वजनों के घर गए थे और आगे भी जाते रहने वाले है। आर्थिक मदद भी करुंगा। कोई जहरीली शराब पीकर मरता है,तब निश्चित ही अपराध है पर इससे प्रशासनिक विफलता के दाग को धोया नहीं जा सकता। शासन के एक घटक दल के अध्यक्ष होने के नाते मेरी भी विफलता है। वे उन गरीबों से इंसानियत के नाते मिलने गए थे। पीड़ित परिवारों को थोड़ी सी मदद भी की है, क्योंकि गुनाहगार मरने वाले थे ना कि उनके स्वजन। जायसवाल के बयान के बाद जदयू प्रवक्ता झा ने कहा कि क्या यह समझा जाए कि संजय जायसवाल शराबबंदी के खिलाफ जो बोल रहे हैं, वह भाजपा का स्टैंड है? दरअसल उनके बयान से यह साफ मालूम हो रहा कि उन्होंने पूर्व में दिए गए अपने दो विरोधाभासी बयान पर सफाई देने की कोशिश की है।

उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए कि सम्राट अशोक के खिलाफ अपशब्द कहने वाले दयाशंकर सिन्हा से पुरस्कार वापसी की मांग के समर्थन में हैं या नहीं? जायसवाल इससे पहले भी शराबबंदी कानून की समीक्षा करने की बात कर चुके हैं। इधर, भाजपा प्रवक्ताओं ने भी क्षेत्रीय दलों को लेकर मोर्चा खोल दिया है।

श्रद्धा भाव से मनाई गई पुण्यतिथि

बरहज/देवरिया

सोमवार को मकर सक्रांति के पावन पर्व पर डॉ ओमप्रकाश शुक्ला द्वारा अपने पिता नकछेद शुक्ला व पत्नी नर्मदा शुक्ला की की पुण्यतिथि मनाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित व मंगलाचरण के साथ हुआ ततपश्चात डॉ ओमप्रकाश शुक्ला द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का माल्यार्पण कर अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया इसी दौरान कार्यक्रम में शिरकत किये पत्रकार सत्यप्रकाश पाण्डेय, विनय मिश्र, पवन पाण्डेय, रामलखन साहनी,वाहिद अंसारी को अंगवस्त्र व डायरी भेट कर सम्मानित किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता अनन्त पीठ के पीठाधीश्वर आंजनेय दास ने की ततपश्चात आंजनेय दास, विश्राम शुक्ल, रमेश तिवारी अंजान, बलभद्र त्रिपाठी, संजय सिंह, अंजू सिंह,रामेश्वर यादव, सावित्री रॉय, महंत प्रसाद कुशवाहा, केशव शुक्ल, आदि ने सभा को सम्बोधित कर श्रद्धा सुमन अर्पित की। पुण्यतिथि अवसर पर डॉ ओमप्रकाश शुक्ला ने गरीब महिलाओं व पुरुषों को कम्बल भेंट कीया।

सभा मे उपस्थित ब्रह्मा कुमारी सेवा संस्थान की रीना, मीनाक्षी, व कृष्णानंद मिश्र के द्वारा मेडिटेशन कार्यक्रम आयोजित की गया। इस दौरान डॉ ओमप्रकाश शुक्ला ने नर्मदा फाउंडेशन की घोषणा की जिसके तहत समाजिक क्षेत्र, साहित्य क्षेत्र, आध्यात्मिक क्षेत्र, संगीत एवँ प्रवचन, चिकित्सा अभियंत्रण व कृषि के क्षेत्र में नर्मदा शुक्ला सम्मान देने की घोषणा की, साथ ही सतत विकास की ओर नामक पुस्तक के विमोचन की घोषणा की तथा डॉ शुक्ला ने पुण्यतिथि सभा मे उपस्थित सभी आगन्तुको के प्रति आभार व्यक्त की।

संक्षिप्त समाचार

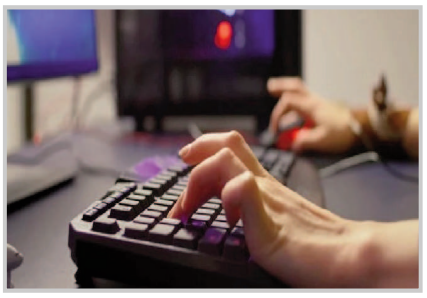

अमेजन कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव बन महिला से ठग लिए 2.45 लाख

मुंबई।

मुंबई के पश्चिमी उपनगर बोरीवली इलाके में रहने वाली एक 36 वर्षीय महिला ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गई. दरअसल महिला से एक फर्जी कॉल के जरिए 2 लाख 45 हजार रुपए की ठगी कर ली गई. ठगी का पता चलने के बाद महिला ने बोरीवली पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है. महिला ने पुलिस को बताया कि उसने शॉपिंग वेबसाइट अमेजन से अपने दो महीने के बच्चे के लिए एक बॉटल मंगवाई थी. लेकिन उन्हें वो बॉटल पसंद नहीं आई और उसने उसे रिटर्न करवाना चाहा. इसी को लेकर उन्होंने 10 जनवरी को गूगल पर अमेजन कस्टमर केयर का नंबर सर्च किया और उसपर फोन किया. जब फोन किया तो ये फोन एक फ्रॉड के पास जाकर लगा, जिसने स्वयं को अमेजन का कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव बताया. फोन पर मौजूद शख्स ने उन्हें बैंक अकाउंट की डिटेल्स मांगी और कहा कि वो उसमें उसके पैसे वापस करेगा. साथ ही आरोपी शख्स ने उनसे एनीडेस्क एप भी डाउनलोड करवाई. आपको बता दें कि इस ऐप के जरिए किसी भी डिवाइस को थर्डपार्टी द्वारा एक्सेस किया जा सकता है. आरोपी शख्स ने इस एप के जरिए उनके फोन का एक्सेस लिया, और ट्रांजेक्शन संबंधी कुछ मैसेज किए और महिला से कहा कि वो ये सारे मैसेज उसके नंबर पर भेजे. इसके तुरंत बाद जब उसके अकाउंट से 50 हजार रुपए कट गए. जब उन्होंने इस पर अपनी आपत्ति दर्ज करवाई तो फोन पर मौजूद शख्स ने कहा कि बाद में इस पैसे का इस्तेमाल अमेजन पर शॉपिंग के लिए आप कर सकती है. इसके कुछ घंटे बाद उन्हें पता चला कि उनके साथ फ्रॉड हुआ और आरोपी ने उनके फिक्स्ड डिपॉजिट को भी ट्रांस्फर कर लिया है. बहरहाल इस मामले की शिकायत पुलिस ने दर्ज कर ली है और आगे की जांच पुलिस कर रही है.

जहरीली शराब पीने से नालंदा में 9 लोगों की मौत, 3 की हालत गंभीर

नालंदा। बिहार के नालंदा जिले के सोहसराय थाना इलाके के छोटी पहाड़ी और पहाड़ तल्ली मोहल्ला में संदिग्ध रूप से जहरीली शराब पीने से 9 लोगों की मौत हो गई है, जबकि तीन लोग गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। सभी मृतकों के परिजन शराब पीने के बाद तबीयत बिगड़ने से मौत की बात बता रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। थानाध्यक्ष सुरेश प्रसाद के बाद सदर डीएसपी डॉ शिब्ली नोमानी ने मौके पर पहुंच कर स्थानीय लोगों और मृतकों के परिजन से घटना की जानकारी ली। हालांकि अभी तक जहरीली शराब पीने से मौत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से शराब बनाई जाती है। वहीं मानपुर थाना इलाके के हरगावा गांव में भी दो लोगों के शराब पीने की मौत की चर्चा है। इससे पहले समस्तीपुर के हथौड़ी थाना क्षेत्र के बल्लीपुर गांव में 7 दिसंबर को तीन लोगों की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई थी। जबकि कुछ बीमार लोग छुपकर इलाज करवा रहे थे। सभी ने गांव में ही एक शादी समारोह में शराब पी थी। मरने वाले तीनों मजदूर वर्ग से ताल्लुक रखते थे। पुलिस को इसकी भनक न लगे इसलिए परिजनों ने चोरी-छुपे इनका अंतिम संस्कार कर दिया था। पिछले साल नवंबर में मुजफ्फरपुर में जहरीली शराब का सेवन करने से 6 लोगों की मौत हो गई थी। मुजफ्फरपुर में कांटी प्रखंड में शराब पीने से आधा दर्जन लोग बीमार हो गए थे जबकि 6 की मौत हो गई थी। वहीं एक व्यक्ति की आंखों की रोशनी चली गई थी। सभी ने पंचायत चुनाव के प्रत्याशी द्वारा बंटवाई गई शराब पी थी।

दिल्ली में अभी और बढ़ेगी सर्दी, 50 मीटर से कम हुई विजिबिलिटी

- 16 से 20 तक अधिकतम तापमान 17 से 18 और न्यूनतम तापमान 7 से 8 डिग्री रहने की आशंका

नई दिल्ली ।

दिल्ली में शुक्रवार का दिन काफी ठंडा रहा। शनिवार को भी सुबह घने कोहरे के बाद दिन में तेज सर्दी पड़ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक जब लगातार दो दिनों तक किसी स्थान का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम होता है और अधिकतम तापमान सामान्य यानि 24 से 4.5 से 6.4 डिग्री तक कम हो तो उसे ठंडा दिन कहते हैं। शुक्रवार को दिनभर का औसत अधिकतम तापमान 15.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बता दें कि गुरुवार को अधिकतम तापमान 16.7 और न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस था। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता निगरानी एजेंसी सफर के मुताबिक 15 से 17 जनवरी तक तीन दिन हवा की गति कम रहने व ठंड के चलते वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब स्तर पर रहेगा। शुक्रवार को एक्यूआई दिनभर में 348 दर्ज किया गया। इसके अलावा 17 जनवरी के बाद से हवा की गति सुधरेगी। हवा चलने से वायु गुणवत्ता सूचकांक का स्तर कम होगा और कड़ाके की ठंड पड़ेगी। शे निवार को पीएम 10 और पीएम 2.5 क्रमशः 340 खराब व 204 बेहद खराब स्तर पर हैं। आज भी सुबह घना कोहरा रहा। इसके बाद 16 से 20 तक सुबह कोहरे के बाद मौसम साफ रहने के आसार हैं। शे निवार को अधिकतम तापमान 16 और न्यूनतम तापमान 6 डिग्री रहने के आसार हैं। इसके बाद 16 से 20 तक अधिकतम तापमान 17 से 18 और न्यूनतम तापमान 7 से 8 डिग्री रहने की आशंका है।

सार समाचार

समुद्र के अंदर ज्वालामुखी फटने के बाद टोंगा ने सुनामी की चेतावनी जारी की

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। टोंगा ने समुद्र के अंदर ज्वालामुखी फटने के बाद शनिवार को सुनामी की चेतावनी जारी की। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में बड़ी लहरें तटीय क्षेत्रों में किनारों को पार करते दिख रही हैं। टोंगा मौसम विज्ञान सेवाओं ने बताया कि पूरे टोंगा के लिए सुनामी की चेतावनी लागू की गई है। टोंगा के हंगा टोंगा हंगा हापाई द्वीप पर ज्वालामुखी के सक्रिय होने की घटनाओं की श्रृंखला के तहत शनिवार को ज्वालामुखी फटा। डॉ. फाकाइलोएटोंगा तौउमोएफोलाउ नाम से एक ट्विटर यूजर ने एक वीडियो साझा किया है, जिसमें लहरें किनारों को तोड़कर पार जाती दिख रही हैं। उसने लिखा, ह्यह्यज्वालामुखी फटने की आवाज को वास्तव में सुन सकता हूं, यह बहुत उग्र लग रहा है ह्लह्ल उसने लिखा, ह्यह्यराख और छोटे-छोटे कंकड़ बरस रहे हैं, आसमान में अंधकार छा गया है ह्लह्ल इससे पहले, ह्यमाटांगी टोंगाह्ल समाचार साइट ने बताया कि वैज्ञानिकों ने शुक्रवार तड़के ज्वालामुखी के सक्रिय होने के बाद बड़े पैमाने पर विस्फोट, गरज और बिजली गिरने की घटनाएं देखीं। साइट ने बताया कि उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों में राख, भाप और गैस की पांच किलोमीटर व्यापक परत हवा में लगभग 20 किलोमीटर (12 मील) तक उठती दिख रही है। वहीं, 2,300 किलोमीटर (1,400 मील) से अधिक दूरी पर स्थित न्यूजीलैंड में अधिकारी विस्फोट से तूफान आने की चेतावनी दे रहे हैं। ह्यनेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसीह्ल ने कहा कि बड़े ज्वालामुखी विस्फोट के बाद न्यूजीलैंड के कुछ हिस्सों में तटों पर ह्यह्यमजबूत और असामान्य लहरें अप्रत्याशित उछाल से साथ आ सकती हैं।

समुद्र के अंदर ज्वालामुखी के फटने के आसार, इस देश ने सुनामी की चेतावनी जारी की

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। टोंगा ने समुद्र के अंदर ज्वालामुखी सक्रिय होने के बाद शनिवार को सुनामी की चेतावनी जारी की। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में बड़ी लहरें तटीय क्षेत्रों में किनारों पर आती दिख रही हैं। टोंगा मौसम विज्ञान सेवाओं ने बताया कि पूरे टोंगा के लिए सुनामी की चेतावनी लागू की गई है। टोंगा के हंगा टोंगा हंगा हापाई द्वीप पर ज्वालामुखी के सक्रिय होने की घटनाओं की श्रृंखला के तहत हालिया ज्वालामुखी सक्रिय हुआ है।

पाकिस्तान में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तरी हिस्से में शुक्रवार रात 5.6 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया। पाकिस्तान के मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, देश में आए 5.6 तीव्रता के भूकंप का केन्द्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमावर्ती क्षेत्र में 100 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप का झटका पेशावर, मानशेरा, बालाकोट और चारसादा सहित खैबर-पख्तूनख्वा के कई शहरों में महसूस किया गया। भूकंप का झटका उत्तर में गिल्गित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में भी महसूस किया गया। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल कहीं से जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। पाकिस्तान में इससे पहले एक जनवरी को भी 5.3 तीव्रता का भूकंप आया था।

ओमीक्रोन वेरिएंट के मामले में सैंपल नाक से ले या गले से, बहस जारी

वाशिंगटन । पूरी दुनिया पिछले दो साल से कोरोना महामारी से जूझ रही है। यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तेजी से फैलता है इसकारण रोकने के लिए ज्यादा से ज्यादा टेस्टिंग जरूरी होती है,जिससे संक्रमित मरीज को फौरन आइसोलेट करके उपचार शुरू किया जा सके और दूसरों में फैलने वाले संक्रमण को रोका जा सके। डेल्टा के बाद कोरोना का ओमीक्रोन वेरिएंट फैल रहा है।अब दुनियाभर में इस लेकर बहस हो रही है कि क्या कोरोना टेस्टिंग के लिए सैंपल नाक से लिया जाए या गले से, आखिर कौन सा तरीका ज्यादा ठीक है? यह चर्चा इसकारण हो रही है, क्योंकि कुछ रिसर्च में कहा गया है कि अगर हम लार या मुंह के भीतर से स्वैब लें,तब यह नाक से लिए गए स्वैब की तुलना में पहले संक्रमण का पता लगा लेगा। अमेरिका में इस दिशा में काफी बहस हो रही है।दरअसल श्वसन संबंधी वायरस मामलों के विशेषज्ञ डॉ. डोनाल्ड मिल्टन ने कहा कि रेसपिरेटरी इन्फेक्शंस पता लगाने का पारंपरिक तरीका नाक के जरिए पूरा होता है। लेकिन जिस तेजी से ओमीक्रोन फैला है, उसके बाद यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या नाक वाला तरीका सही है या अलग साइट यानी मुंह के जरिए सैंपल लेना ज्यादा सही होगा।

डॉक्टर मिल्टन कहते हैं, कि यह वायरस पहले हमारे मुंह और गले में जाता है और रहता है, इसका मतलब है कि हमारे टेस्टिंग अप्रोच में कुछ समस्याएं हैं। इस दिशा में वैज्ञानिक अपना काम कर रहे हैं। फिलहाल जो आंकड़े आ रहे हैं उससे पता चलता है कि सलाइवा यानी लार आधारित टेस्ट की अपनी सीमाएं हैं। कई लैब के पास सलाइवा को प्रोसेस करना का सेटअप नहीं है और ना ही एंटीजन टेस्ट को लेकर अमेरिका में ऐसी व्यापक व्यवस्था है। लेकिन संशय की बात करने वाले लोग भी स्वीकार करते हैं कि मुंह से लिए गए नमूनों के कुछ अलग फायदे भी हैं। एक अन्य जानकार एनी विले का कहना है कि हमें चीजों को स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने देखा है कि कई लैब और सरकारें एक ही तरह के सैंपल टाइप और कुछ चुनिंदा टेस्ट पर ही अड़ी हैं, जबकि डेटा और टेस्ट प्रिफरेंसेज बदल रहे हैं।

वैसे वैज्ञानिकों ने महामारी शुरू होने के कुछ महीने बाद ही सलाइवा टेस्टिंग पर काम करना शुरू कर दिया था, वे नाक के भीतर से स्वैब लेने की तुलना में ज्यादा सरल और आरामदायक टेस्टिंग तरीका चाहते थे। उनका मकसद यह भी था कि टेस्टिंग की प्रक्रिया ऐसी हो जिसमें ज्यादा प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की जरूरत न पड़े। सलाइवा के केस में लोग आराम से सैंपल लेकर ट्यूब में भरकर टेस्टिंग के लिए दे सकते हैं।

हालांकि कुछ लैब प्रोफेशनल्स इस बात को लेकर सशंकित हैं कि क्या सलाइवा टेस्टिंग संक्रमण की पहचान करने का भरोसेमंद तरीका है? लैब एक्सपर्ट ने कहा कि अगर बेहतर नहीं तो सलाइवा अच्छा काम तो करता है, हां अगर इसे ठीक तरह से लेकर प्रोसेस किया जाए। इस बात के भी साक्ष्य मिले हैं कि वायरस नाक से पहले सलाइवा में दिख जाता है।इसके बाद इसके सैंपल से काफी पहले पॉजिटिव की पहचान हो सकती है। इससे संक्रमण की रफ्तार भी कम की जा सकती है।एफडीए ने कई सलाइवा बेस्ड पीसीआर टेस्ट को मंजूरी दी है, जो स्कूलों में छात्रों की जांच में काफी पॉपुलर रहा है।

एक और एक्सपर्ट कहते हैं कि ओमीक्रोन ने टेस्टिंग गेम ही बदल दिया क्योंकि यह तेजी से अपनी संख्या बढ़ाता है और लोगों को पॉजिटिव करता है। हाल में दक्षिण अफ्रीकी रिसचरों ने पाया कि डेल्टा वेरिएंट का पता लगाने में नाक से लिए गए स्वैब ने सलाइवा स्वैब से अच्छा काम किया जबकि ओमीक्रोन के केस में इसका ठीक उल्टा हुआ। हालांकि कुछ लोगों का कहना है कि मुंह की टेस्टिंग को नाक की तुलना में ज्यादा गंभीर नहीं माना जाता है। सलाइवा के डेटा पर अभी एक्सपर्ट की राय एक जैसी नहीं है। कुछ एक्सपर्ट यह भी कह रहे हैं कि मुंह से इंसान खाते-पीते रहता है जिससे टेस्टिंग में रिजल्ट पर असर पड़ सकता है।

उत्तर कोरिया में एक बार फिर छोटी दूरी की 2 मिसाइलों का परीक्षण किया।

उत्तर कोरिया ने ट्रेन से बैलिस्टिक मिसाइल का किया टेस्ट,अमेरिका को दिया जवाब

सियोल। उत्तर कोरिया ने कहा है कि उसने एक ट्रेन से बैलिस्टिक मिसाइल का प्रायोगिक परीक्षण किया है, जिसे अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन द्वारा लगाए गए हालिया प्रतिबंधों का जवाब माना जा रहा है। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा था कि उसे उत्तर कोरिया द्वारा दो मिसाइलें समुद्र की ओर दागे जाने का पता चला, जो इस महीने में उसका तीसरा मिसाइल परीक्षण है। इसके एक दिन बाद उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। इस परीक्षण के कुछ समय पहले ही उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने देश के पूर्व के परीक्षणों को लेकर उस पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए अमेरिका की आलोचना की थी और यह चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिका 'टकराव वाला रवैया' बनाए रखता है तो उसके खिलाफ सख्त और कड़े कदम उठाए जाएंगे। उत्तर कोरिया ने हाल के महीनों में नई मिसाइलों का परीक्षण तेज कर दिया है। कुछ विशेषज्ञों ने कहा है कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग कुछ रियायतों की मांग करने के लिए बातचीत की पेशकश से पहले मिसाइल परीक्षणों के जरिए अपने पड़ोसियों और अमेरिका पर दबाव बनाने की अपनी सोची समझी रणनीति को फिर से अपना रहे हैं। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने कहा कि शुक्रवार के अभ्यास का उद्देश्य सेना की रेल-जनित मिसाइल रेजिमेंट की क्षमता की जांच करना था। उत्तर कोरिया के 'रोडोंग सिनमुन' अखबार ने धुएं में घिरे रेल के डिब्बों से ऊपर उड़ रहीं दो अलग-अलग मिसाइलों की तस्वीरें प्रकाशित कीं।

ओमीक्रोन : पृथक-वास की अवधि घटाकर पांच दिन करने का फैसला तार्किक नहीं

लंदन। (एजेंसी)

(द कन्वरसेशन) ओमीक्रोन स्वरूप का मामला सामने आने के पहले ब्रिटेन में कोविड-19 के लक्षण वाले या संक्रमित लोग 10 दिनों के लिए पृथक-वास में रहते थे लेकिन नए स्वरूप के सामने आने के बाद सरकार ने गृह पृथक-वास की अवधि को सात दिन कर दिया। अटलांटिक महासागर के दूसरी ओर ह्यवूएस सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशनह्ल ने कहा कि ओमीक्रोन स्वरूप के बारे में जितनी जानकारी उपलब्ध है उसे देखते हुए वे पृथक-वास की अवधि को बदलकर पांच दिन करने वाले हैं। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री साजिद जावेद ने कहा है कि कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए लोगों के लिए अब इंग्लैंड में पृथक-वास की अवधि पांच दिनों की होगी जबकि ब्रिटेन के अन्य क्षेत्रों के बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं है। इंग्लैंड में 17 जनवरी से संक्रमित लोग पांच दिनों के बाद दो बार जांच कराने और नेगेटिव रिपोर्ट आने के बाद पृथक-वास की अवधि से बाहर निकल सकेंगे। टीकाकरण की स्थिति की परवाह किए बिना नियम समान हैं। मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट के तौर पर हमें इस बात की चिंता है कि पृथक-वास की अवधि घटाने संबंधी इन कदमों को सही ठहराने के लिए बहुत कम वैज्ञानिक प्रमाण हैं। कुछ लोगों का तर्क है कि ओमीक्रोन से बीमारी की गंभीरता ह्यह्यकमह्ल है और इसके परिणामस्वरूप अस्पताल में भर्ती होने की संख्या में वृद्धि नहीं होती है, लेकिन यह याद रखना चाहिए कि यह लहर स्वाभाविक संक्रमण और टीकाकरण-प्रेरित प्रतिरक्षा के संयोजन से प्राप्त सुरक्षा के बीच बड़े स्तर पर आबादी में फैल रही है। ब्रिटेन में कई आवश्यक सेवाएं संघर्ष कर रही हैं। तो क्या हम आर्थिक हितों को कोविड प्रबंधन योजनाओं के वैज्ञानिक औचित्य से आगे निकलते देख रहे हैं? आइए, पृथक-वास की अवधियों के वैज्ञानिक औचित्य पर विचार करें। संक्रमित लोगों के मामले में दुनिया भर के 79 वैज्ञानिक अध्ययनों की समीक्षा की गयी। इसने न केवल पीसीआर जांच द्वारा निर्धारित वायरल लोड का मूल्यांकन किया। क्लिनिकल स्तर पर रिकवरी के बाद भी कुछ समय के लिए व्यक्ति पॉजिटव रह सकता है बल्कि इन लोगों से वायरस प्रसार की आशंका भी है। समीक्षा ने शुरूआती कुछ दिनों में कम वायरल लोड दिखाया, लेकिन फिर तीन से छह दिनों के आसपास सबसे ज्यादा, सात से नौ दिनों में वायरस खत्म हो गया और दसवें दिन वायरस की मौजूदगी नहीं मिली। दूसरे शब्दों में, आंकड़ों ने दस-दिवसीय पृथक-वास अवधि का समर्थन किया। कुछ अध्ययनों ने बिना किसी लक्षण वाले लोगों में वायरल शेडिंग की थोड़ी कम अवधि का सुझाव दिया है, लेकिन राष्ट्रीय नीति पर निर्णय संक्रमण की सभी तरह की स्थिति पर आधारित होना चाहिए न कि केवल कुछ आंकड़ों के आधार पर।

जम्मू कश्मीर का अनसुलझा विवाद भारत-पाक संबंधों में बाधा उत्पन्न करता है :पाक की नयी सुरक्षा नीति

संयुक्त राष्ट्र/जिनेवा। (एजेंसी)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने शुक्रवार को जारी अपनी पहली राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में भारत के साथ संबंधों में सुधार की इच्छा जतायी और हिन्दुत्व आधारित नीतियों, हथियार जमा करने की होड़ और लंबित विवादों के एकतरफा हल थोपने की एकपक्षीय कोशिशों को इसमें प्रमुख बाधा बताया है। राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के अध्याय सात में 'बदलती दुनिया में विदेश नीति' शीर्षक के तहत भारत के साथ पाकिस्तान के संबंधों, कश्मीर मुद्दा और अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों की बात की गई है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने 110 पन्नों के इस दस्तावेज का अनावरण किया, जिसमें कहा गया है, 'देश-विदेश में शांति नीति के तहत पाकिस्तान, भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाना चाहता है।' हालांकि, उसने कहा कि 'जम्मू कश्मीर मुद्दे का न्यायसंगत और शांतिपूर्ण समाधान हमारे द्विपक्षीय संबंधों के केंद्र बिंदु में रहेगा।' उसमें कहा गया है कि 'भारत में हिन्दुत्व आधारित नीतियों का बढ़ना गंभीर चिंता का विषय है और इससे पाकिस्तान की सुरक्षा पर तत्काल प्रभाव पड़ता है।' उसमें कहा गया है, 'भारत में हथियारों का बढ़ता जखीरा, अत्याधुनिक तकनीकों तक उसकी पहुंच और परमाणु निरस्त्रीकरण से छूट, पाकिस्तान के लिए चिंता का विषय है।' दस्तावेज के अनुसार, 'लंबित मामलों पर एकतरफा नीतिगत कार्रवाई का भारत का प्रयास एकपक्षीय हल थोपने का प्रयास है जिनका क्षेत्रीय स्थिरता पर नकारात्मक प्रभाव हो सकता है।' नीति में यह भी कहा गया है कि अपनी चिंताओं के बावजूद पाकिस्तान सभी लंबित मुद्दों का हल बातचीत के जरिए निकालने में यकीन करता है।

इमरान की राष्ट्रीय सुरक्षा नीतिः आखिर क्यों बदला पाक का सुर, क्या आतंकवाद और व्यापार एक साथ चल सकता है?

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान ने हिन्दुस्तान से तीन-तीन जंगों में हाथ आजमाया। सात दशक में तीन जंगें हारने के बावजूद पाकिस्तान की हेकड़ी नहीं गई। पाकिस्तान भारत को दम दिखाने के लिए मिसाइलें छोड़ता रहा, न्यूक्लियर अटैक की धमकी देता रहा। भारत के फाइटर विमान के मुकाबले के विमान दिखाता रहा। लेकिन बात-बात पर भारत को आंखे दिखाना वाला पाकिस्तान अब घुटनों पर है। पाकिस्तान अब भारत में आतंकवादी हमलों के सपने भी नहीं देखना चाहता है। इसके साथ ही वो अब भारत के खिलाफ साजिशें भी नहीं करना चाहता है। पाकिस्तान अब भारत से रिश्ते सुधारने को बेकरार है। पाकिस्तान सरकार ने अपने वजूद में आने के बाद पहली बार जो सुरक्षा नीति बनाई है, उसमें कुछ ऐसी ही बातें कही गई है।

100 पन्नों का मौलिक दस्तावेज

पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार राष्ट्रीय सुरक्षा नीति बनी है। सात साल में दो सरकारों की मेहनत के बाद जो ये सुरक्षा नीति तैयार हुई है। उसके बारे में 14 जनवरी को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने पाकिस्तानियों को बताया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि 100 पन्नों के मौलिक दस्तावेज में राष्ट्रीय सुरक्षा को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। इस सुरक्षा नीति में इमरान खान सरकार ने भारत के साथ भारत के साथ अच्छे रिश्ते की उम्मीद जताई है। साथ ही जम्मू-कश्मीर को द्विपक्षीय संबंधों में कोर मुद्दा बताया गया है।

भारत के लिए क्या

2022 से 2026 तक के लिए जारी यह पंचवर्षीय पॉलिसी डॉक्युमेंट कहता है कि भारत के साथ रिश्ते सुधारने और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कश्मीर का विवाद अंतिम तौर पर सुलझ जाने का इंतजार करना जरूरी नहीं है। उसे लेकर दोनों पक्षों में पॉजिटिव बातचीत जारी रखते हुए भी आपसी सहयोग और व्यापार को बढ़ावा देने का काम किया जा सकता है। नीति में जम्मू-कश्मीर को द्विपक्षीय संबंध के केंद्र में रखा गया है। यूसुफ के हवाले से कहा गया कि जब उनसे पूछा गया कि यह भारत को क्या संदेश देता है तो उन्होंने कहा, ' यह भारत को कहता है कि सही कार्य करिए और हमारे लोगों की बेहतरी के लिए क्षेत्रीय संपर्क से जुड़िए। यह भारत को यह भी कहता है कि अगर आप सही कार्य नहीं करेंगे तो इससे पूरे क्षेत्र को नुकसान होगा और उसमें भी सबसे अधिक भारत का नुकसान होगा।'

बोरिस जॉनसन देंगे इस्तीफा? ब्रिटेन को पहला भारतवंशी प्रधानमंत्री मिल सकता है

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)

बोरिस जॉनसन को लेकर उठ रहा विवाद अब उनकी कुर्सी पर भी मंडराने लगा है। कोरोना लॉकडाउन में शराब पार्टी को लेकर विवादों में घिरे बोरिस जॉनसन ने यूं तो संसद में बेमन से माफी मांग ली थी। इसके बावजूद उनपर इस्तीफे का दवाब कम कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बोरिस जॉनसन पर इस्तीफे का दबाव बनाया जा रहा है। उनके स्वास्थ्य सचिव ने इस्तीफा दे दिया है। जिसके बाद से ये कयास लगाए जा रहे हैं कि बोरिस जॉनसन भी प्रधानमंत्री पद छोड़ सकते हैं। दरअसल, एक सर्वे में ये दावा किया गया कि जॉनसन इस्तीफा दे देते हैं तो हिन्दुस्तानी मूल का नेता ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनेगा।

ऋषि सुनक को मिलेगी कमान?

भारतीय मूल के वित्त मंत्री ऋषि सुनक प्रधानमंत्री पद के लिए पहली पसंद बनकर उभरे हैं। कंसर्वेटिव पार्टी के सर्वे में 46 प्रतिशत लोगों ने माना की सुनक जॉनसन से बेहतर प्रधानमंत्री हो सकते हैं। सुनक प्रधानमंत्री बनते हैं तो मई 2024 में कंसर्वेटिव पार्टी को ज्यादा सीटें दिला सकते हैं। 1980 में सुनक का जन्म हैंपस्टर के साउथएंटम में हुआ था। पंजाब मूल के माता-पिता की संतान अमेरिका की स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी से वह एमबीए भी पूरा कर चुके हैं। राजनीति में आने से पहले इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स और हेज फंड में बी काम कर चुके हैं। सुनक के पिता डॉक्टर थे और मां केमिस्ट की दुकान चलाती थीं। वे पंजाब से लंदन गए थे। वर्तमान में वह ब्रिटेन के वि?ा?त मंत्री हैं। सुनक भारतीय उद्योगपति नारायण मूर्ति के दामाद हैं।

प्रीति पटेल भी रेस में हैं

ऋषि के अलावा एक और भारतीय नाम प्रीति पटेल का नाम ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद की रेस में है। प्रीति ब्रिटिश राजनेता के तौर पर 2019 से राजनेता के तौर पर कार्य कर रही हैं। सर्वे में ब्रिटेन के 10 फीसदी लोग प्रीति को ब्रिटेन की अगली प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। प्रीति पटेल का जन्म 29 मार्च 1972 में लंदन में ही हुआ। वह वॉटरफोर्ड स्कूल में पढ़ीं। प्रीती के पिता सुशील गुजरात के आनंद जिले के तारापुर के रहने वाले हैं। सुशील के चचेरे भाई किरण पटेल अपने परिवार के साथ यहां रहते हैं।

स्वास्थ्य सचिव ने दिया इस्तीफा

जॉनसन द्वारा लॉकडाउन पार्टी की बात कबूलने के बाद ब्रिटेन के स्वास्थ्य सचिव जोनाथन टैन ने 13 जनवरी को इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद से बोरिस जॉनसन पर दवाब और ज्यादा बढ़ता जा रहा है।

जॉनसन की लोकप्रियता का ग्राफ गिरा

कई रिपोर्ट में तो ये भी दावा किया जा रहा है कि कंसर्वेटिव पार्टी के दस में छह वोटर्स ने जॉनसन के काम-काज के तरीके को खराब बताया है। एक सर्वे में जॉनसन को अपनी पार्टी के 85 प्रतिशत वोटरों का समर्थन प्राप्त था। जुलाई 2020 के बाद से जॉनसन की लोकप्रियता में कमी आई। जॉनसन की लोकप्रियता घट कर 36 प्रतिशत रह गई है।

इस यूट्यूब चैनल ने भारत और पाकिस्तान के 200 से अधिक परिवारों को फिर से मिलाया

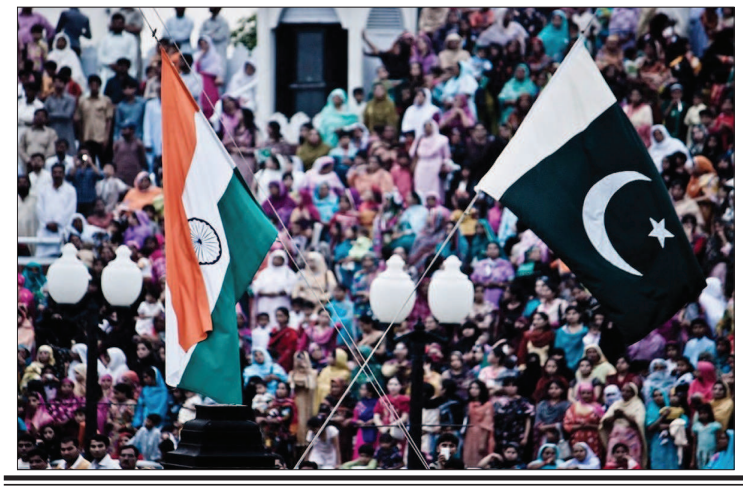

लाहौर। (एजेंसी)

भारत और पाकिस्तान को जोड़ने वाले ऐतिहासिक करतारपुर गलियारे की तरह हीपाकिस्तान के यूट्यूब चैनल 'पंजाबी लहर' ने सीमा के दोनों तरफ रहनेवाले 200 दोस्तों एवं परिवारों को फिर से मिलवाया है। इस चैनल ने 74 साल बाद विभाजन के वक्त बिछड़े भाइयों को मिलवाया और इस नजारे को देख लोगों की आंखों में आंसू आ गए। भाव-विभोर कर देने वाले इस पुनर्मिलन के एक वीडियो में इस सप्ताह वीजा-मुक्त करतारपुर गलियारे पर बुजुर्ग भाइयों, एक भारत से और दूसरा पाकिस्तान से, को एक-दूसरे को गले लगते देखा गया। यह वीडियो वायरल हो गया है।

पाकिस्तान के पंजाब के 84 वर्षीय सद्दीकी खान और भारत के पंजाब के उनके भाई हबीब उर्फ सिक्का खान की भावुक मुलाकात भाइयों के अपने-अपने घर लौटने से पहले एक घंटे से अधिक समय तक चली। वर्ष 1947 में विभाजन के दौरान अलग हुए अस्सी साल के दो भाइयों के पुनर्मिलन ने करतारपुर में तीर्थयात्रियों को प्रभावित करने के अलावापाकिस्तान स्थित यूट्यूब चैनल की ओर भी सबका ध्यान दिलाया, जिसने उन्हें 74 वर्षों के बाद एक-दूसरे से मिलने और गले लगाने में मदद की। करीब 5,31,000 सब्सक्राइबर के साथ अपना यूट्यूब चैनल चलाने वाले नासिर ढिल्लों ने कहा कि चैनल का मकसद, 'पूर्वी और पश्चिमी पंजाब में विभाजन से पैदा हुई दूरी को मिटाना है।' ढिल्लों ने पीटीआई-से कहा, 'दोनों ओर से भारतीय और पाकिस्तानी पंजाब के लोगों की मदद से हमने सीमा पार से करीब 200 दोस्तों एवं परिवारों को फिर से मिलवाया है।' ननकाना साहिब के भूपेंद्र सिंह लवली के साथ चैनल का संचालन करने वाले ढिल्लों ने कहा, '1947 में विभाजन के खूनी दंगों के दौरान सीमा के दोनों तरफ के लोगों के पास अपने परिवार, रिश्तेदारों और दोस्तों से अलग होने की कहानियां हैं और कुछ न कुछ लिंक वीडियो कहानियों से मिल जाता है जिससे उन्हें अपने प्रियजनों, दोस्तों तथा अपने पूर्वजों का घर ढूंढ़ने में मदद मिलती है।'

पंजाब पुलिस में 12 साल तक पुलिस अधिकारी के तौर पर काम करनेवाले फैसलाबाद के 37 वर्षीय व्यक्ति ने करीब चार साल पहले अपना यूट्यूब चैनल शुरू किया था। उन्होंने कहा कि उनके दादा ने उन्हें विभाजन से अलग हुए परिवारों और दोस्तों को फिर से जोड़ने और सीमा पार के लोगों के बीच प्यार को बढ़ावा देने के लिए चैनल शुरू करने की प्रेरणा दी। तीन बच्चों के पिताढिल्लों ने कहा कि अगर भारत सरकार उन्हें वीजा दे दे तो वह भी अपने पैतृक गांव जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यदि भारत ने कोविड-19 के कारण प्रतिबंध नहीं लगाए होते तो सिक्का और सादिक दोनों भाई एक साल पहले गलियारे पर मिल सकते थे। ढिल्लों ने पाकिस्तान और भारत की सरकारों से वरिष्ठ नागरिकों को एक-दूसरे देश में वीजा मुक्त यात्रा की अनुमति देने का आग्रह किया है।

सुविचार पराजय से सत्याग्रही को निराशा नहीं होती, बल्कि कार्यक्षमता और लगन बढ़ती है। - महात्मा गांधी

संपादकीय

फिर रेल हादसा

पश्चिम बंगाल में हुई रेल दुर्घटना जितनी चिंताजनक, उतनी ही दुखद भी है। लगभग 34 महीने बाद रेल दुर्घटना हुई है, जिसमें पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के दोमोहानी इलाके में गुरुवार शाम गुवाहाटी-बीकानेर एक्सप्रेस के 12 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई और अनेक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बचाव कार्य तेजी से चल रहा है और मुआवजे की भी घोषणा कर दी गई है। जांच भी शुरू हो गई है, लेकिन ऐसा लगता है कि जब रेलों का संचालन बढ़ रहा है, तो लापरवाही भी बढ़ी है। यह दुर्घटना बड़ी हो सकती थी, ट्रेन में 1,200 से ज्यादा यात्री सवार थे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी घटनास्थल पर पहुंच गए। सीमा सुरक्षा बल, स्थानीय पुलिस, रेलवे और एनडीआरएफ की टीम राहत और बचाव कार्य में जुट गई, तो लोगों तक जल्दी राहत पहुंचाने में सफलता मिली है। दुर्घटना की जगह ज्यादा मुश्किल या दूरदराज में नहीं थी, इसलिए भी वहां तक राहत पहुंचाने का काम आसान रहा है। ध्यान रहे, ज्यादातर रेल हादसे देर रात या सुबह मानवीय खामी की वजह से होते हैं, जिनमें जान-माल का नुकसान ज्यादा होता है। यह हादसा इसलिए भी लोगों के बीच ज्यादा चर्चा का विषय है, क्योंकि यह महीनों बाद हुआ है। लॉकडाउन के लंबे समय में ट्रेनों का परिचालन लगभग बंद था और अभी भी ट्रेनें पूरी तरह से नहीं चल रही हैं। ऐसे में, इस हादसे ने अनेक सवाल पैदा किए हैं, जिन पर रेलवे को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। क्या रेलों का परिचालन कम होने से पटरियों पर कोई असर पड़ा है? क्या पटरियों के रखरखाव में कमी आई है? क्या नई पटरियां बिछाने का काम आवश्यक गति से नहीं चल रहा है? आम तौर पर ट्रेन हादसों के कारणों पर सार्वजनिक रूप से ज्यादा चर्चा नहीं होती। जांच बैठती है, और लोग हादसे को भूल जाते हैं। लेकिन यह काम रेलवे और सरकार का है कि ऐसे हादसों की ईमानदार जांच हो और सुधार के पर्याप्त कदम उठाए जाएं। सेना के बाद रेलवे को ही भारत में सबसे अनुशासित महकमा माना जाता है, लेकिन क्या इस सेवा में कोताही करने वालों को यथोचित सबक सिखाया जाता है? हादसों के बाद की जांच की सिफारिशों को ईमानदारी से लागू किया जाता है? उन लोगों से पूछिए रेलवे से जुड़े अनुभव, जो जान-माल का नुकसान झेल चुके हैं। विशालकाय भारतीय रेलवे को दुरुस्त रखने के लिए आम तौर पर सालाना 20 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की जरूरत है, लेकिन आवंटन कितना है? तीन साल पहले के उपलब्ध आंकड़ों को अगर देखें, तो इस अहम मद के लिए एक चौथाई जरूरी धन भी नहीं रखा जाता है। इधर, रेलवे को कोरोना और लॉकडाउन से 36,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। इससे भी रेलवे की सेहत पर असर पड़ा है। रेलवे ने पहले की तरह किराये में रियायत देना कम कर दिया है, लेकिन उसे सेवा में कोताही नहीं करनी चाहिए। बच्चों को दी जाने वाली रियायत को खत्म हुए पांच साल से ज्यादा बीत गए, अब वरिष्ठ जनों को मिलने वाली रियायत भी निशाने पर है। सुविधाओं में भी कमी आ रही है। यात्रियों की परेशानी लगातार बढ़ रही है, ऐसे में, रेलवे को प्राथमिकता के साथ न केवल हादसों से बचना होगा, बल्कि अपनी सेवा का स्तर भी सुधारना होगा।

दलबदल पर लगे प्रतिबंध

(लेखक- प्रभुनाथ शुक्ल)

'लोकतंत्र' बस एक 'शब्द' रह गया है। अब इसकी न कोई परिभाषा न भाषा। गरिमा और गौरवमयी संस्था का क्षरण लोकतंत्र और उसके भविष्य के लिए घातक है। लोकतंत्र, जनतंत्र और राजतंत्र जैसी संस्थाओं को एक दूसरे प्रति विश्वास घट गया है। तीनों के सामंजस्य और समायोजन से राजतंत्र की स्थापना होती है। गणराज्य के संचालन में सभी की अहम भूमिका होती है। लेकिन बदले माहौल में सभी संस्थाओं का नैतिक पतन हो चला है। राजतंत्र में सेवा, समर्पण और नैतिकता खत्म हो चली है। राजतंत्र, जनतंत्र के विश्वास का गला घोट रहा है। सत्ता और कुर्सी की लोलुपता में सब कुछ अनैतिक हो चला है। लोकतांत्रिक मूल्यों और मर्यादाओं की बात बेईमानी है। आज की सियासत छद्म, पाखंडवाद की पोषक हो चली है। राजनीति में जनसेवा सिर्फ खोखला नारा है। उत्तर प्रदेश राज्य विधानसभा चुनाव में इसका पतन देखने को मिल रहा है। पांच राज्यों में चुनावी घोषणा बाद पाला और दलबदल का सिलसिला चल निकला है। राजनेताओं को अब दलित, शोषित, वंचित, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों का शोषण याद आने लगा है। भाजपा, सपा, बसपा और कांग्रेस जैसे दलों के निर्वाचित प्रतिनिधि सत्ता की लोलुपता में पाला बदल रहे हैं। जबकि निरीह जनतंत्र उनका तालियों और हार से स्वागत करने को बेताब है। ऐसे लोगों से कोई सवाल पूछने को तैयार नहीं है। सत्ता की चाकी कभी स्थिर नहीं रहती है जबकि यहीं स्थिरता पाला बदल का मूल है। दलितों, अल्पसंख्यकों और पिछड़ों के मसीहा बनने वाले भावनात्मक मुद्दों को उछाल कर संबंधित जातियों के वोटबैंक से सत्ता में आने की जुगत लगा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के राज्य विधानसभा चुनाव में पाला बदल चरम पर है। कल यही राजनेता मंच से जिसे गालियां देते थे आज उन्हें गले लगा रहे हैं। जनता सब कुछ जानते हुए भी उनका आलिंगन करने को बेताब है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी बिडंबना यहीं है। स्वामी प्रसाद मौर्य पिछड़ों के कद्दावर और दिग्गज नेता माने जाते हैं। उनकी राजनीतिक जमीन भी बेहद मजबूत है। बहुजन समाज पार्टी को छोड़कर उन्होंने समर्थकों के साथ भगवा चोला धारण किया था। लेकिन पांच साल सत्ता का सुख भोगने के बाद समाजवाद की लंबरदारी करने को बेताब दिखते हैं। कांग्रेस और भाजपा का बोया बबूल आज उन्हीं कों चुभ रहा है। मणिपुर, गोवा में कांग्रेस के साथ भजपा ने जो किया आज उसी का वह प्रतिफल भोग रही है। सत्ता से बाहर रहने वाली कांग्रेस कल तक यहीं करती थीं। आज पाला बदलने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य और अन्य निर्वाचित विधायकों को दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यकों के अधिकार याद आने लगे हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य पांच साल पूर्व इसी न्याय को आगे बढ़ाने के लिए मौर्य भाजपा में आए थे। यहां भी उनके मकसद पूरे नहीं हुए। अब समाजवादी पार्टी की तरफ जाते दिखते हैं। दलितों, अल्पसंख्यकों और पिछड़ों का वह कितना कल्याण कर सकते हैं यह तो वक्त बताएगा। उन्हें दलितों,पिछड़ों की इतनी ही चिंता थी तो साल भर पूर्व भाजपा को क्यों नहीं छोड़ा। चुनाव की घोषणा के बाद आखिर पाला बदल क्यों। क्या उन्हें मालूम है कि भाजपा सत्ता में आनेवाली नहीं है। दलितों की मसीहा मायावती आज कहाँ खड़ी हैं यह सभी जानते हैं। लेकिन दलित समाज कितना बदला है यह वहीं जानता है। लेकिन उसी शोषित और दलित की बात करने वाली बसपा बदले सियासी दौर में हासिए पर है जबकि मौर्य तीसरे दल की आरती में हैं। क्या यहीं दरिद्रनारायण की सेवा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबका अपना अधिकार है। व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता के अनुसार जीने को स्वतंत्र है। लेकिन दलितों, अल्पसंख्यकों और पिछड़ों की दुहाई देकर लोकतांत्रिक संस्थाओं का गला घोंटने वाले किसी का नहीं हो सकते। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सब का समान अधिकार है। संवैधानिक संस्थाओं में सभी को बराबर की हिस्सेदारी और अधिकार मिले हैं। दलितों, वंचित, शोषित,पिछड़ों और अल्पसंख्यकों की आड़ में सत्ता की परिक्रमा करने वाले लोग खुद का हित साधते हैं। राजनीति में आने के पूर्व ऐसे व्यक्तियों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति का आकलन होना चाहिए। जाति-धर्म की दुहाई देने वालों ने क्या कभी सोचा कि जिस दलित,अल्पसंख्यक और पिछड़े समाज की दुहाई देकर वह सत्ता में आते हैं उनके निजी संवृद्धि एवं विकास की तुला में वे कहाँ ठहरते हैं। क्या ऐसे वंचित वर्ग कि भी सामाजिक और आर्थिक स्थिति उतनी तेजी से बदलती है जीतने की उनके राजनेता की। समाज के लोगों को इस तरह के राजनेताओं को जातीय मसीहा मानने के बजाय सवाल करने चाहिए।अगर ऐसा नहीं है तो फिर उस समाज को ठगने की कोरी साजिश है। लोकतान्त्रिक व्यवस्था में दल बदल कानून अप्रासंगिक हो चले हैं। इसका महत्व अब सिर्फ सरकार बचाने के लिए राज्य विधानसभा में व्हीप के वक्त किया जता है। समय के साथ दलबदल कानून निर्बल हो गया है। मेरे विचार में लोकतांत्रिक व्यवस्था में नियंत्रण होना चाहिए। क्योंकि वक्त के साथ इसमें बेतहाशा गिरावट महसूस की गई है। चुनाव आयोग के पास इसकी सीधी नकेल होनी चाहिए। किसी भी दूसरी संवैधानिक संस्था का इसमें हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। व्यक्ति और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर संवैधानिक संस्थाओं का गला नहीं घोटा जाना चाहिए। अगर नौकरी में सेवनिवृति, निलंबन जैसे कानून हैं तो दलबदल के लिए भी होने चाहिए। हत्यारे को अगर फांसी जायज है तो लोकतंत्र की हत्या करने वालों के लिए सजा क्यों नहीं। दल बदल की एक निश्चित सीमा तय हो। निर्धारित वक्त के पूर्व किसी को दल बदलने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। कोई भी व्यक्ति दो राष्ट्रीय दलों से अधिक दलबदल नहीं कर सकता। घपले-घोटाले में दोषी पाए जाने पर उसकी राजनीति पर आजीवन प्रतिबंध लगना चाहिए। जाति, धर्म, भाषा, नस्ल, की आड़ में दल गठित करने की मनाहीं होनी चाहिए। चुनाव आयोग के पास यह स्वतंत्रता होनी चाहिए कि कोई भी व्यक्ति चुनाव के वक्त दल नहीं बदल सकता उस स्थित में जब चुनावों की घोषणा हो गयी हो। आयोग के पास यह अधिकार होना चाहिए कि एक निश्चित जनमत हासिल करने वाला व्यक्ति या संगठन ही किसी सियासी दल का गठन कर सकता है। आयोग की मंजूरी के बिना किसी को राजनैतिक दल बनाने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। राजनेताओं की हर पांच साल बाद आर्थिक स्रोतों की समीक्षा होनी चाहिए। आय से अधिक संपत्ति मिलने पर आजीवन राजनीति पर प्रतिबन्ध लगना चाहिए। जनता कि सेवा के बहाने राजनीति में आने वाला व्यक्ति कुछ ही सालों में इतना दौलतमंद कैसे बन जाता है इस पर भी विचार होना चाहिए। राजनैतिक संस्थाओं और दलों के लिए भी नियम होने चाहिए। ऐसी संस्थाएं और लोग सब को नियंत्रित करना चाहते हैं लेकिन खुद अनियंत्रित होते हैं। लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा ऐसे ही राजनीतिक संस्थाओं और राजनेताओं से है। आयोग को सिर्फ चुनावी घोषणा के दायरे से अलग करना होगा उसे और अधिकार देने की आश्यकता है।

खेल से इतर विवादों के बीच जोकोविच

अरुण नैथानी

यह परिस्थितियों का खेल है कि दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच खेल से अलग कारणों से सुर्खियों में हैं। दरअसल, जोकोविच को आस्ट्रेलिया में प्रवेश करने से रोक दिया गया। हालिया विवाद खेल से जुड़ा नहीं है। जोकोविच कोरोना वैक्सीन लगाने के पक्षधर नहीं रहे हैं। एक सर्बिया डॉक्टर के पुत्र नोवाक की मान्यता रही है कि वैक्सीन लगाना, न लगाना व्यक्ति का निजी मामला है। लेकिन वैक्सीन को लेकर सोच के चलते उनकी आस्ट्रेलिया सरकार से ठन गई और हवाई अड्डे पर पहुंचते ही उनका वीजा रद्द कर दिया गया। उन्हें होटल में बने डिटेंशन सेंटर में ठहरा दिया गया, जिसके चलते आस्ट्रेलिया व विदेश में टेनिस व जोकोविच के समर्थकों की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई। यहां तक कि आस्ट्रेलिया की केंद्र सरकार व विक्टोरिया राज्य सरकार इस मुद्दे पर आमने-सामने आ गई। दरअसल, विक्टोरिया प्रांत की सरकार आस्ट्रेलिया ओपन टूर्नामेंट का आयोजन कराती है। नोवाक जोकविच ने वर्ष 2021 समेत नौ बार आस्ट्रेलिया ओपन टूर्नामेंट जीता है। अब सर्बिया सरकार के तल्ख विरोध और खेल जगत की तीखी प्रतिक्रिया के बाद लगता है कि जोकोविच आगामी 17 जनवरी से आरंभ होने वाले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपना दमखम दिखा सकेंगे। इससे पहले आस्ट्रेलिया में प्रवेश पर रोक लगाने के आस्ट्रेलियाई प्राधिकरण के फैसले के खिलाफ जोकोविच कोर्ट गये थे। वकीलों की बहस के बाद अदालत ने वीजा रद्द करने के फैसले को खारिज कर दिया। इसके मायने यह हैं कि जोकोविच का वीजा वैध है और वे साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में भाग ले सकते हैं। वास्तव में दुनिया के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी चौंतीस वर्षीय नोवाक जोकोविच कोरोना संक्रमण की शुरुआत से ही वैक्सीन लगाने के पक्षधर नहीं रहे हैं। उन्होंने यह कभी स्पष्ट भी नहीं किया है कि उन्होंने वैक्सीन लगाई है। वर्ष 2020 में जब कोरोना संक्रमण बढ़ रहा था तब उन्होंने कहा था कि वे टीके लगाने का विरोध करते हैं। हालांकि, तब कोरोना का टीका नहीं आया था। उनकी धारणा थी कि व्यक्ति के शरीर के लिये अच्छा-बुरा क्या है, यह तय करना व्यक्ति का नितांत निजी मामला है। उनका मानना था कि यात्रा व किसी टूर्नामेंट में भाग लेने के लिये टीका लगाने हेतु बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही उनका यह भी कथन था कि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हैं और उन उपायों पर ध्यान देते हैं जो हमें कोरोना संक्रमण से बचाने में सहायक होते हैं। हालांकि, उनके देश सर्बिया में महामारी विशेषज्ञों का कथन था कि उनकी सोच अवैज्ञानिक है और लोगों के मन में वैक्सीन को लेकर संदेह पैदा करती है। वहीं जोकोविच की दलील थी कि सकारात्मक सोच हमारे स्वास्थ्य को बेहतर करती है, जैसे पानी के अणु हमारी भावनाओं के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। हालांकि, जोकोविच ने कभी वैक्सीन का पुरजोर विरोध नहीं किया, लेकिन वैक्सीन विरोधी उन्हें अपना आइकन मानने लगे हैं। वे जोकोविच का वीजा रद्द करने पर खुलकर उनके समर्थन में आ खड़े हुए हैं। वहीं आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन कहते हैं कि कोई व्यक्ति चाहे कितना भी महत्वपूर्ण क्यों न हो, वह कानून से ऊपर नहीं हो सकता। दरअसल, इस मुद्दे पर राजनीति भी हो रही है क्योंकि कोरोना के मामले में सरकार की नीति को लेकर आलोचना होती रही है। फिर आस्ट्रेलिया में अगले साल चुनाव भी होने हैं। संघीय सरकार चाहती है कि प्रत्येक व्यक्ति कोरोना नियमों का पालन करे। वहीं आस्ट्रेलिया ओपन टूर्नामेंट का आयोजन करने वाली टेनिस ऑस्ट्रेलिया चाहती है कि अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को स्वस्थ रहने पर छूट दी जाये क्योंकि यह आयोजन देश की प्रतिष्ठा से जुड़ा सवाल है। आस्ट्रेलिया सरकार की सख्ती को लेकर जहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल जगत में आलोचना होती रही है, वहीं आस्ट्रेलिया में भी टेनिस प्रेमियों का बड़ा वर्ग जोकोविच के समर्थन में उतरा। बहरहाल, कोर्ट के आदेश के बाद जोकोविच प्रवासी हिरासत केंद्र से बाहर आ चुके हैं। लोग मान रहे हैं कि संघीय सरकार व विक्टोरिया प्रांत की सरकार की अलग-अलग राय होने से हुई खींचतान के चलते लोगों में अविश्वास की भावना पैदा हुई है। जहां वैक्सीन विरोधी इस जीत को मनोबल बढ़ाने वाली बता रहे हैं, वहीं आम आस्ट्रेलियाई लोग मानते हैं कि खास लोगों को वैक्सीन से छूट दिया जाना गलत है। दरअसल, आस्ट्रेलिया में भी नये कोरोना वेरिएंट का खासा प्रभाव है और संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। इसी बीच जोकोविच के प्रबंधकों ने दावा किया है कि उन्हें चिकित्सा छूट के आधार पर आस्ट्रेलिया आने की अनुमति दी गई थी। अदालत में प्रस्तुत दस्तावेजों में कहा गया कि इस यात्रा से पूर्व टेनिस आस्ट्रेलिया के दो पैनलों ने नोवाक जोकोविच को वैक्सीन लगाने में छूट दी थी। दरअसल, यह ही संस्थान आस्ट्रेलिया व विक्टोरिया में टेनिस टूर्नामेंटों का आयोजन करता है। बहरहाल, 17 जनवरी से शुरू होने वाले आस्ट्रेलिया ओपन टूर्नामेंट में भाग लेने से जोकोविच को रोकने के बाद उन्हें व्यापक सहानुभूति भी मिली है। कुछ लोग मानते हैं कि उनके साथ उनकी प्रतिष्ठा के विपरीत व्यवहार किया गया। यहां तक कि कई मानवाधिकार संगठन भी उनके समर्थन में खड़े नजर आये। जोकोविच के देश सर्बिया में इस फैसले का तीखा विरोध हुआ। यहां तक कि सर्बिया के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुचिच ने नोवाक को उत्पीड़ित बताया। लोगों का मानना है कि नौ बार टूर्नामेंट जीत चुके जोकोविच के साथ कम से कम ऐसा नहीं किया जाना चाहिए था।

आज के कार्टून

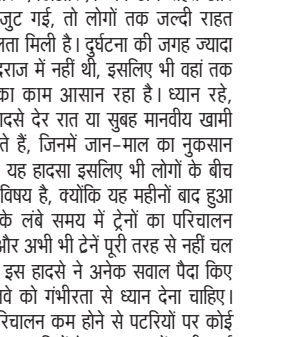

समान न्याय

श्रीराम शर्मा आचार्य

भारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। यह अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य कोई धर्म संस्कृति में ऐसा प्रावधान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को मानने की परम्परा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। अगर करता है तो दण्डनीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस भिन्नता से बगीचे की शोभा ही बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के सन्दर्भ में स्वीकार की जा सकती है। इसमें अनेक प्रयोग परीक्षणों के लिए गुंजाइश रहती है और सत्य को सीमाबद्ध कर देने से उत्पन्न अवरोध की हानि नहीं उठानी पड़ती। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के लिए भी भारतीय संस्कृति के अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए धर्मो के द्वार बन्द हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है। कर्मफल की मान्यता। पुनर्जन्म के सिद्धान्त में जीवन को अवांछनीय माना गया है और मरण की उपमा वस्त्र परिवर्तन से दी गई है। कर्मफल की मान्यता नैतिकता और सामाजिकता की रक्षा के लिए नितान्त आवश्यक है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। वह सामाजिक विरोध और राजदण्ड से बचने के अनेक हथकण्डे अपनाकर कुकर्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ सर्व समर्थ सत्ता की कर्मफल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह सकता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता यह समझाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में कर्म का फल भोगना पड़ेगा। दुष्कर्म का लाभ उठाने वाले यह न सोचें कि उनकी चतुरता सदा काम देती रहेगी और वे पाप के आधार पर लाभान्वित होते रहेंगे। इसी प्रकार जिन्हें सत्कर्मो के सत्परिणाम नहीं मिल सके हैं उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। अगले दिनों वे भी अदृश्य व्यवस्था के आधार पर मिल कर रहेंगे। संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। इस मान्यता को अपनाने वाला न तो निर्भय होकर दुष्कर्मो पर उतारू हो सकता है और न सत्कर्मो की उपलब्धियों से निराश बन सकता है। अन्य धर्म जहां अमुक मत का अवलम्बन अथवा अमुक प्रथा प्रक्रिया अपना लेने मात्र से ईश्वर की प्रसन्नता और अनुग्रह की बात कहते हैं, वहां भारतीय धर्म में कर्मफल की मान्यता को प्रधानता दी गयी है और दुष्कर्मो का प्रायश्चित करके क्षति पूर्ति करने को कहा गया है।

सू-दोकू नवताल -2021

6	4			3	7	2		9
2	7		8					
9		8		6		4		5
4				5		9		
8	1						5	4
		9		7				6
1		3		9		7		8
					2		6	
7		6	4	1			9	2

सू-दोकू 2020 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

बायें से दायें:-

1. 'नदिया किनारे आओ जाना' गीत वाली संजय दत्त, आफताब शिवदासानी, नंदितादास की फिल्म-2
3. जॉय मुखर्जी, माला सिन्हा, शर्मिला टैगोर की फिल्म-4
6. आफताब शिवदासानी, युक्ता मुखी की फिल्म-2
8. 'सारा जमाना हसीनों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
10. फिल्म 'बावर्ची' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी-2
12. 'दो नैनों में आंसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा मालिनी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
13. 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-2,2
15. 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, की फिल्म-3
16. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-3
21. मनोज कुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-1,3
23. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
24. नसीरुद्दीन शाह, जैकी श्रॉफ नगमा की 'मैं प्यासी नदिया हूं' गीत वाली फिल्म-2
25. 'इस से पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-4
28. शाहरुख, विवेक मुशरान, जूही की फिल्म-4
31. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी याद में' गीत वाली शशि कपूर की फिल्म-4
33. संजीव कुमार, लीना चंदावरकर की 'तन मन धन सब है तेरा' गीत वाली फिल्म-4

फिल्म वर्ग पहेली-2021

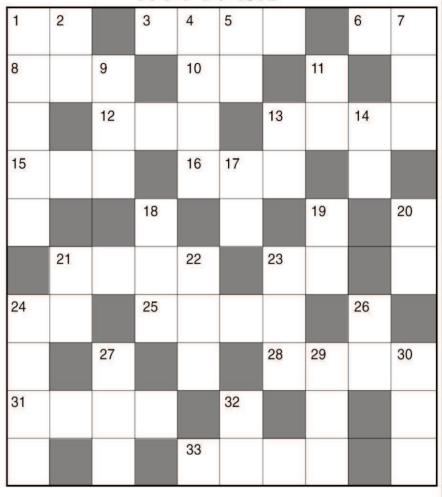

ऊपर से नीचे:-

1. 'ये जुल्फ कैसी है जंजीर जैसी है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
2. फिल्म 'साया' में जॉनअब्राहम की नायिका-2
4. अमिताभ, परवीन बॉबी की 'देख सकता हूं मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-4
5. 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-2
7. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-3
9. 'तुम्हारी पलकों की चिलमनों में' गीत वाली फिल्म-3
11. अजय देवगन, रवीना, रीना राय की फिल्म-2
13. अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-2
14. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार आजा' गीत वाली फिल्म-2
17. फिल्म 'तक्षक' की नायिका-2
18. सोहराब मोदी, सुनील दत्त, निम्मी की फिल्म-3
19. संजय खान, मुमताज की 'गोरी के हाथ में जैसे ये छल्ला' गीत वाली फिल्म-2
20. अभिषेक, विवेक, अजय, रानी, करीना, एशा देओल की फिल्म-2
21. 'कोई जब राह न पाये' गीतवाली फिल्म-2
22. अश्मित पटेल, मीरा की 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली फिल्म-3
23. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3
24. 'हो छोड़ी छोड़ी मेरी राहें' गीत वाली राकेश रोशन, शत्रघ्न, रीना राय, रंजीता की फिल्म-4
26. संजय कपूर, माधुरी दीक्षित की 'फूल मांगू ना बहार मांगू' गीत वाली फिल्म-2
27. 'है ना बोलो बोलो' गीत वाली फिल्म-3
29. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की फिल्म-3
30. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली हैं-3
32. शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2020

CMYK

फैमिली प्लानिंग पर बोलीं प्रियंका चोपड़ा, कहा- 'भगवान की कृपा से...'

प्रियंका चोपड़ा व्यस्त अभिनेत्रियों में से हैं। कभी अपनी फिल्मों तो कभी किसी इवेंट में उन्हें देखा जाता है। इन सबके बीच प्रियंका अपने परिवार के लिए भी वक्त निकाल लेती हैं। निक के परिवार सहित वह अपनी मां मधु चोपड़ा के साथ वक्त बिताती नजर आती हैं। काम के बीच प्रियंका की फैमिली प्लानिंग को लेकर भी समय-समय पर चर्चा होती रहती हैं। प्रियंका और निक ने साल 2018 में शादी की थी जिसके बाद अब अभिनेत्री ने अपने आगे के प्लान को लेकर बात की है। प्रियंका चोपड़ा ने बच्चे और भविष्य को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि वो और निक जोनस अपनी जिंदगी में बदलाव के लिए तैयार हैं और यह जब होगा तब होगा ही। प्रियंका ने हाल ही में वैनिटी फेयर मैगजीन के साथ बातचीत की। इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि क्या उनकी मां डॉ मधु चोपड़ा नानी बनने की उम्मीद कर रही हैं। प्रियंका ने जवाब दिया, 'यह हमारे भविष्य का बहुत बड़ा हिस्सा है। भगवान की कृपा से जब यह होगा, तब होगा।'

निया शर्मा सीख रहीं पोल डांस

निया शर्मा का म्यूजिक वीडियो 'फूंक ले' इन दिनों धूम मचा रहा है। गाने में उनका हुक स्टेप्स पहले ही पॉपुलर हो चुका है। निया टीवी की हॉटेस्ट अभिनेत्रियों में से हैं। वह डांस में कितनी परफेक्ट हैं यह तो उनके प्रशंसक जानते ही हैं। अपनी तस्वीरों और वीडियोज से चर्चा में रहने वालीं निया अब एक बार फिर से किलर मूव्स दिखा रही हैं। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह पोल डांस की प्रैक्टिस करती नजर आ रही हैं। निया ने इसके साथ बताया कि पोल डांस सीखने का यह उनका दूसरा दिन है। कई हिट टीवी शोज कर चुकीं निया अब कुछ हटकर करना चाहती हैं तभी तो वह पोल डांस सीख रही हैं। उन्हें देखकर लग ही नहीं रहा है कि वह पोल डांस नहीं कर सकती हैं। वीडियो के साथ उन्होंने अपनी शारीरिक शक्ति को परखा। इसके साथ उन्होंने कैप्शन दिया- 'कभी नहीं लगा मेरी हड्डियां टूट रही हैं। प्रेरित करने के लिए यह बहुत अच्छा भाग है।'

क्या सलमान खान लगाते हैं नकली सिक्स पैक ऐब्स

केआरके यानी कमाल राशिद खान सलमान खान पर आए दिन निशाना साधते रहते हैं। उन्होंने अब एक ऐसा वीडियो शेयर किया है जिसमें दिखाया गया है कि कैसे नकली सिक्स पैक ऐब्स एकदम असली जैसे दिखते हैं। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिखा बल्कि अपने फॉलोअर्स से सवाल किया है कि कौन सा बॉलीवुड ऐक्टर ऐसा करता है? कॉमेंट सेक्शन में कई लोगों ने सलमान खान का नाम लिखा है साथ ही कुछ ने क्लिप पोस्ट की है जिसमें सलमान की बॉडी वीएफएक्स से बदलती दिख रही है। इससे पहले भी केआरके सलमान खान के खिलाफ इशारों में आपत्तिजनक कॉमेंट्स करते रहे हैं। कमाल राशिद खान ने सलमान खान पर एक बार फिर से निशाना साधा है। हमेशा की तरह उन्होंने नाम नहीं लिखा लेकिन सबको समझ आ रहा है कि उनका इशारा किस तरफ है। केआरके ने लिखा है, क्या आप बता सकते हैं, बॉलीवुड में कौन सा ऐक्टर ये नकली सिक्स पैक ऐब्स यूज करता है? इस पर कई लोगों ने सलमान खान का नाम लिखा है। एक यूजर ने लिखा है, सलमान खान के सिक्स पैक्स ङ्कस्नङ्ग से एडिट होते हैं। कुछ लोगों ने सलमान के एक वायरल वीडियो की क्लिप भी पोस्ट की है जिसमें उनका पेट निकला दिख रहा है। हालांकि सलमान अपनी बॉडी पर काफी मेहनत करते हैं और अक्सर जिम के फोटोज भी शेयर करते रहते हैं।

राज कुंद्रा ने इंस्टाग्राम पर की वापसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को अश्लील फिल्म बनाने और उन्हें एप पर अपलोड करने के आरोप में बीते दिनों जेल की हवा खाना पड़ी थी। राज कुंद्रा इन दिनों जमानत पर बाहर है। जेल से रिहा होने के बाद राज कुंद्रा को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल किया गया था। जिसके बाद राज कुंद्रा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट डिएक्टिवेट कर दिए थे। अब राज ने एकबार फिर इंस्टाग्राम पर वापसी कर ली है। लेकिन ट्विटर से अभी भी गायब है। उन्होंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट भी प्राइवेट कर दिया है और सारे पोस्ट डिलीट कर दिए हैं। इंस्टाग्राम पर राज कुंद्रा के 9 लाख 77 हजार फॉलोअर्स हैं। लेकिन वह सिर्फ एक शख्स को फॉलो कर रहे हैं। राज केवल शिल्पा शेट्टी के रेस्टोरेंट Bastian Mumbai को फॉलो करते हैं। ये उनके रेस्टोरेंट का पेज है। बता दें कि राज कुंद्रा को 19 जुलाई 2021 को हिरासत में लिया गया था। उन पर एप पर अश्लील फिल्में बनाने और अपलोड करने का आरोप लगा था। वह दो महीने बाद जेल से जमानत पर रिहा हुए थे।

'पुष्पा' का हिन्दी वर्जन देर रात प्राइम वीडियो पर रिलीज

अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पुष्पा- द राइज' का हिन्दी वर्जन देर रात अमेजॉन प्राइम वीडियो पर रिलीज कर दिया गया है। हाल के दिनों में किसी फिल्म को लेकर शायद ही इतना क्रेज देखने को मिला है। फिल्म चार भाषाओं तेलुगू, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में 7 जनवरी को ओटीटी पर आई थी, जिसके बाद से ही दर्शक हिन्दी डब का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। मेकर्स ने पहले ही बता दिया था कि 'पुष्पा' का हिन्दी वर्जन 14 जनवरी को रिलीज किया जाएगा। रात 12 बजे फिल्म को प्राइम वीडियो पर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म के साथ कैप्शन दिया गया- 'यह फिल्म नहीं.. फायर है। अमेजॉन प्राइम वीडियो ने देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर जानकारी दी कि फिल्म आ गई है। पोस्ट पर कई यूजर्स ने बताया कि उन्होंने रात को ही फिल्म देख डाली। एक यूजर लिखते हैं, 'शुक्रिया, ठीक 12 बजे।' एक ने कहा, 'कमाल है भाई।' एक अन्य कहते हैं, 'क्या मूवी है, फुल एचडी प्लस फुल साउंड में देखा।' एक लिखते हैं, '14 जनवरी, 12 बजे अमेजॉन पर हिन्दी में, तीसरी बार देखी।' हालांकि कई यूजर्स ने यह भी शिकायत की है कि फिल्म के हिन्दी डायलॉग तेलुगू से बिल्कुल अलग है।

सबरीमाला मंदिर दर्शन करने पहुंचे अजय देवगन, 41 दिनों तक की थी कड़ी साधना!

अभिनेता अजय देवगन ने बुधवार की सुबह सबरीमला स्थित भगवान अयप्पा स्वामी मंदिर में दर्शन-पूजा किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पारंपरिक काले वस्त्र पहने, सिर पर अरुमुदी केत्तु लिए अभिनेता अन्य श्रद्धालुओं के साथ पैदल चलकर मंदिर पहुंचे और पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे दर्शन-पूजा किया। देवगन ने मंदिर परिसर में स्थित मलिकाप्पुरम मंदिर में भी पूजा किया। सन्नीधनम देवस्व ओम बोर्ड के अधिकारियों ने अभिनेता को शॉल भेट किया। सबरीमला मंदिर मकराविलाक्कु त्योहार के लिए 29 दिसंबर से खोला गया है। त्योहार 14 जनवरी को है। रिपोर्टों के अनुसार, अजय ने सबरीमाला तीर्थ यात्रा पर जाने से पहले एक महीने तक चलने वाले अनुष्ठानों का पालन किया। इस दौरान अभिनेता ने कथित तौर पर केवल शाकाहारी भोजन किया और फर्श पर एक चटाई पर सोए, और बहुत कुछ। अजय ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर काले कपड़े पहने खुद का एक छोटा वीडियो साझा किया, और लिखा, स्वामी शरणम अयप्पा। जय ने बुधवार को अपने 20 वर्षीय स्व को एक पत्र लिखने के लिए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सहारा लिया और 'क्रूर अस्वीकृति', 'शानदार ढंग से विफल' का सामना करने के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, 'प्रिय 20 वर्षीय मुझे, आप एक अभिनेता के रूप में इस नई दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। मुझे ईमानदार होने दो, आपको क्रूर अस्वीकृति का सामना करना पड़ेगा। शर्मीले और पारंपरिक, आप फिट होने के लिए अपनी पूरी कोशिश करेंगे लेकिन शानदार ढंग से असफल होंगे। लोगों की आलोचना और संदेह कठिन होगा और यह आपको अपने सपनों पर सवाल खड़ा करेगा। आप सफल होने से ज्यादा असफल होंगे।'

CMYK

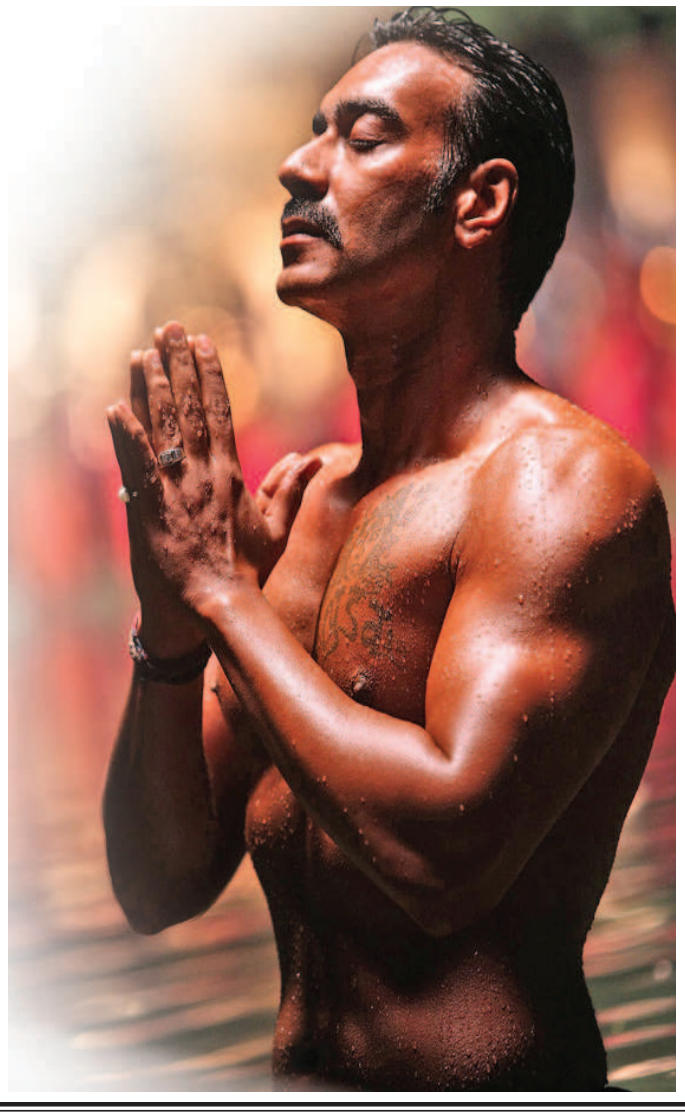

ओमीक्रोन संक्रमण बढ़ने से बाधित हो सकती है वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला : ईईपीसी इंडिया

कोलकाता,

भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी इंडिया) ने चिंता जताई है कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन का प्रकोप बढ़ने से एक बार फिर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो सकती है, जिसका असर व्यापारिक गतिविधियों में मंदी के रूप में सामने आ सकता है। इंजीनियरिंग सामान के निर्यात में दिसंबर, 2021 के दौरान सालाना आधार पर 38 फीसदी की वृद्धि हुई है और यह बढ़कर 38.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। ईईपीसी इंडिया के अध्यक्ष महेश देसाई ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि लगातार वृद्धि से पता चलता है कि यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की राह पर है। उन्होंने कहा, ''आने वाले वक्त के लिए ऑर्डर अच्छे हैं, लेकिन यदि ओमीक्रोन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करता है, तो हम कुछ वक्त के लिए मंदी का सामना कर सकते हैं। हमने दुनियाभर में महामारी के प्रकोप के चलते हाल के हफ्तों में अस्थिरता और अनिश्चितता के कुछ संकेत देखे हैं, लेकिन सरकार उपयुक्त नीतिगत उपायों के जरिये व्यापार को गति दे सकती है।'' देसाई ने कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और लॉजिस्टिक लागत को कम करने के लिए सरकार से तत्काल कार्रवाई की अपील भी की।

सेबी 28 जनवरी को करेगा रवि किरण रियल्टी की संपत्तियां नीलाम

नई दिल्ली।

बाजार नियामक सेबी ने कहा कि निवेशकों के पैसे की वसूली के लिए वह 28 जनवरी को रवि किरण रियल्टी इंडिया लिमिटेड और उसके प्रवर्तकों की दो संपत्तियों की नीलामी करेगा। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक नोटिस में कहा कि नीलाम की जाने वाली संपत्ति पश्चिम बंगाल में हैं और इनकी नीलामी 2.16 करोड़ रुपए के आरक्षित मूल्य पर की जाएगी। इस संपत्तियों की बिक्री के लिए निविदाएं आमंत्रित करते हुए सेबी ने कहा कि नीलामी की प्रक्रिया 28 जनवरी को सुबह ऑनलाइन की जाएगी। नवंबर 2021 में सेबी ने घोषणा की थी कि रवि किरण रियल्टी इंडिया और इसके प्रवर्तकों की चार संपत्तियों की नीलामी वह दिसंबर में करेगा। कंपनी ने सार्वजनिक निर्गम मानदंडों का पालन किए बिना 1,176 लोगों को विमोच्य वरीयता शेयर (आरपीएस) जारी करके धन जुटाया था। नियामक ने मार्च 2016 में कंपनी को निवेशकों का धन रिफंड करने का आदेश दिया था। हालांकि इसमें कंपनी के विफल रहने पर नियामक ने कंपनी और उसके प्रवर्तकों या निदेशकों के खिलाफ वसूली की कार्रवाई शुरू कर दी।

बैंक कर्ज में 9.16 फीसदी का इजाफा, 10.28 फीसदी बढ़ा जमा धन : रिजर्व बैंक

मुंबई ।

महामारी कोरोना के दौरान अर्थव्यवस्था को लेकर रोना भले ही रोया गया हो पर बैंकों के क्रेडिट के साथ-साथ जमा पूंजी में भी तेजी दर्ज की गई है। बैंक कर्ज 31 दिसंबर, 2021 को समाप्त पखवाड़े में 9.16 फीसदी बढ़कर 116.83 लाख करोड़ रुपए और जमा राशि 10.28 फीसदी की वृद्धि के साथ 162.41 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शेड्यूल्ड बैंक के कर्ज और जमा के बारे में जारी किए गए 31 दिसंबर, 2021 को समाप्त पखवाड़े के आंकड़े से यह यह पता चला। एक जनवरी, 2021 को समाप्त पखवाड़े में, बैंक कर्ज 107.02 लाख करोड़ रुपए और जमा 147.26 लाख करोड़ रुपए था। इससे पहले, 17 दिसंबर, 2021 को समाप्त पखवाड़े में, बैंक अग्रिमों में 7.27 फीसदी और जमा में 9.58 फीसदी की वृद्धि हुई थी। वित्त वर्ष 2020-21 में, बैंक कर्ज में 5.56 फीसदी और जमा में 11.4 फीसदी की वृद्धि हुई थी। गौरतलब है कि आरबीआई की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 7 जनवरी, 2022 को खत्म हुए सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 87.8 करोड़ डॉलर घटकर 632.736 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले 31 दिसंबर, 2021 को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 1.466 अरब डॉलर घटकर 633.614 अरब डॉलर रह गया था। विदेशी मुद्रा भंडार में यह गिरावट मुख्य रूप से फॉरेन करेंसी एसेट यानी एफसीए (एफसीए) में आई कमी की वजह से हुई जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है।

दिसंबर में निर्यात 38.91% बढ़कर 37.81 अरब डॉलर पर, व्यापार घाटा भी बढ़ा

नई दिल्ली:

इंजीनियरिंग, कपड़ा और रसायन जैसे क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से दिसंबर 2021 में देश का निर्यात सालाना आधार पर 38.91 प्रतिशत बढ़कर 37.81 अरब डॉलर हो गया। हालांकि दिसंबर में व्यापार घाटा बढ़कर 21.68 अरब डॉलर पहुंच गया। सरकारी आंकड़ों से शुक्रवार को यह जानकारी मिली। आंकड़ों के मुताबिक पेट्रोलियम और कच्चे तेल का आयात बढ़ने से दिसंबर 2021 में कुल आयात 38.55 फीसदी बढ़कर 59.48 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान पेट्रोलियम और कच्चे तेल का आयात 67.89 प्रतिशत बढ़कर 16.16 अरब डॉलर रहा। सोने का आयात 5.43 प्रतिशत बढ़कर 4.72 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''दिसंबर 2021 में वस्तु निर्यात 38.91 प्रतिशत बढ़कर 37.81 अरब डॉलर रहा जो दिसंबर 2020 में 27.22 अरब डॉलर था।'' वित्त वर्ष 2021-22 में अप्रैल- दिसंबर के दौरान निर्यात 49.66 फीसदी बढ़कर 301.38 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि के दौरान आयात 68.91 प्रतिशत बढ़कर 443.82 अरब डॉलर हो गया, जिससे व्यापार घाटा 142.44 अरब डॉलर पहुंच गया। बयान के मुताबिक दिसंबर 2021 में इंजीनियरिंग सामानों का निर्यात 38.41 प्रतिशत बढ़कर 9.8 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। निर्यात में हिस्सेदारी के लिहाज से इसके बाद पेट्रोलियम उत्पाद (151 प्रतिशत बढ़कर 5.88 अरब डॉलर), रत्न और आभूषण (16.4 प्रतिशत बढ़कर लगभग तीन अरब अमेरिकी डॉलर), रसायन (26.86 प्रतिशत बढ़कर 2.66 अरब डॉलर) का स्थान रहा। इस दौरान तैयार कपड़ों का निर्यात 22.63 प्रतिशत बढ़कर 1.46 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों में यह भी कहा गया कि दिसंबर 2021 में सेवाओं के निर्यात का अनुमानित मूल्य 20.07 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो 2020 के इसी महीने के मुकाबले 5.26 प्रतिशत अधिक है। सेवाओं का आयात भी 15.76 प्रतिशत बढ़कर 12.87 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

इस बारे में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) के अध्यक्ष ए शक्तिवेल ने कहा कि मौजूदा रुझान को देखते हुए भारत चालू वित्त वर्ष के दौरान 400 अरब अमेरिकी डॉलर के वस्तु निर्यात लक्ष्य को हासिल कर लेगा।

जुकरबर्ग, पिचाई ने विज्ञापन बाजार बनाने के लिए बड़ी डील पर हस्ताक्षर किए: रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

अमेरिका में एक गंभीर एंटी-ट्रस्ट शिकायत से कथित तौर पर पता चला है कि मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग और अल्फाबेट और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई कथित तौर पर एक विज्ञापन की मिलीभगत की साजिश में शामिल थे। हालांकि, इस आरोप से दोनों तकनीकी दिग्गजों ने इनकार किया। पोलिटिको की रिपोर्ट के अनुसार, टेक्सास और अन्य राज्यों के वकीलों ने आरोप लगाया है कि जुकरबर्ग और पिचाई ने व्यक्तिगत रूप से एक गुप्त सौदे को मंजूरी दी, जिसने सोशल नेटवर्क को सर्च दिग्गज की ऑनलाइन विज्ञापन नीलामी में टांग अड़ाई। टेक्सास के अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन के नेतृत्व में, राज्य अटॉर्नी जनरल के समूह ने गूगल के खिलाफ एक नई अविश्वास शिकायत जारी की, जिसमें प्रोग्रामेटिक विज्ञापन बाजारों में कंपनी की फेसबुक के साथ कथित मिलीभगत के बारे में अधिक जानकारी दी गई। राज्यों ने मूल रूप से दिसंबर 2020 में गूगल के खिलाफ मुकदमा दायर किया था और पिछले साल नवंबर में एक भारी-संशोधित वर्जन के साथ अपडेट किया। प्रारंभिक शिकायत में दो तकनीकी दिग्गजों के बीच विशेष रूप से जेडी ब्लू नामक एक परियोजना में मिलीभगत का आरोप लगाया गया। पिचाई, मेटा सीओओ शेरिल सैंडबर्ग और जुकरबर्ग की व्यक्तिगत भागीदारी के साथ, दोनों कंपनियों के उच्चतम स्तर पर जेडी ब्लू सौदे की समीक्षा की गई। जुकरबर्ग को एक ईमेल में, सैंडबर्ग ने कथित तौर पर सीईओ से कहा (टी) उनका रणनीतिक रूप से एक बड़ा सौदा है। शुक्रवार को सामने आई रिपोर्ट के अनुसार, शिकायत में कहा गया है कि सौदे पर बातचीत करने वाली टीम ने जुकरबर्ग को एक ईमेल भेजा, जिसमें कहा गया था, हम हस्ताक्षर करने के लिए लगभग तैयार हैं और आगे बढ़ने के लिए आपकी स्वीकृति की आवश्यकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, 2018 के सौदे ने फेसबुक को संभवतः गैरकानूनी फायदे दिए, जब सोशल नेटवर्क ने गूगल के विज्ञापन एक्सचेंज का इस्तेमाल किया, जैसा कि टेक्सास, 14 अन्य राज्यों और प्यूटरे रिको ने अपने संघीय एंटीट्रस्ट सूट के लेटेस्ट वर्जन में गूगल के खिलाफ आरोपों के अनुसार किया था। सैंडबर्ग और गूगल के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने सितंबर 2018 के समझौते पर हस्ताक्षर किए, मुकदमे में दावा किया गया कि गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने भी सौदे की शर्तों पर व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर किए। द वर्ज को दिए एक बयान में, गूगल के एक प्रवक्ता ने कहा, एजी पैक्सटन का दावा सटीक नहीं है। हम हर साल सैकड़ों समझौतों पर हस्ताक्षर करते हैं जिनके लिए सीईओ की मंजूरी की आवश्यकता नहीं होती है, और यह अलग नहीं था।

एचडीएफसी बैंक का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई ।

एचडीएफसी बैंक का दिसंबर, 2021 में समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही का एकल शुद्ध लाभ 18.1 प्रतिशत बढ़कर 10,342.20 करोड़ रुपये पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 8,758.29 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी एकल आधार पर कुल आय बढ़कर 40,651.60 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 37,522.92 करोड़ रुपये थी। हालांकि, तिमाही के दौरान बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) बढ़कर कुल ऋण का 1.26 प्रतिशत हो गईं, जो एक साल पहले समान अवधि में 0.81 प्रतिशत थीं। हालांकि, सितंबर, 2021 की तिमाही के 1.35 प्रतिशत की तुलना में बैंक का सकल एनपीए नीचे आया है। बैंक का शुद्ध एनपीए भी सालाना आधार पर 0.09 प्रतिशत से बढ़कर 0.37 प्रतिशत पर पहुंच गया। सितंबर, 2021 की तिमाही में यह 0.40 प्रतिशत था।

लैंड रोवर ने भारत में नई रेंज रोवर के लिए बुकिंग्स शुरू की

मुंबई : खूबसूरत नई रेंज रोवर में आधुनिक लक्जरी को फिर से परिभाषित किया है। इसमें बहुत ज्यादा सुधार के साथ उपभोक्ताओं को चुनाव के लिए बहुत अधिक विकल्प दिए गए हैं, जिसमें पहले की तुलना में एसयूवी को अपनी पर्सनैलिटी के अनुसार उपभोक्ता ज्यादा बेहतरीन तरीके से निखार सकते हैं। रेंज रोवर एक असली लक्जरी एसयूवी है। यह 50 साल से इस क्षेत्र में शानदार मिसाल पेश कर रही है, जिसमें सभी स्थितियों में जीतने की क्षमता के साथ शांति, सुविधा और स्थिरता को शामिल किया गया है। नई रेंज रोवर अब भी उपभोक्ताओं को काफी आकर्षित कर रही है। इसमें तकनीकी सौम्यता, लगातार कनेक्टिविटी के साथ लुभावनी आधुनिकता और बेहद खूबसूरत और आकर्षक आकार का संगम पेश किया गया है।

जगुआर लैंड रोवर के प्रेसिडेंट और प्रबंध निदेशक रोहित सूरी ने कहा, "रेंज रोवर भारत में लक्जरी एसयूवी की लिस्ट में सबसे टॉप पर है। पांचवी जेनरेशन की रेंज के आकर्षक और खूबसूरत लुक ने उपभोक्ताओं को इसका मालिक बनने की इच्छा को उल्लेखनीय ढंग से काफी बढ़ा दिया है।" लैंड रोवर के नए लचीले मॉड्यूलर लॉन्गीट्यूडनल ऑर्किटेक्चर इस लक्जरी एसयूवी के हर खूबसूरत पहलू को उभारते हैं। इसकी बेमिसाल क्षमता से लेकर चुस्त-दुरुस्त हैंडलिंग तक इस एसयूवी में काफी जबर्दस्त सुधार किया गया है। आधुनिक तकनीक के साथ वर्चुअल डिवलेपमेंट के नए लेवल और लैंड रोवर के विकास कार्यक्रम के कड़े मानकों को शामिल किया गया है। इन सभी विशेषताओं के मेल से नई रेंज रोवर उपभेक्ताओं को नए लेवल की गुणवत्ता प्रदान करेगी।

नई लक्जरी एसयूवी एसई, एचएसचई और ऑटोबायोग्राफी मॉडलों में उपलब्ध है। उत्पादन के पहले साल में ऑटोबायोग्राफी मॉडल पर आधारित पहला संस्करण उपलब्ध रहेगा, जिसमें कई अनोखी विशेषताओं से लैस फीचर्स को शामिल किया गया है। यह एक्सक्लूसिव रूप से सनसेट गोल्ड सैटिन फिनिश में उपलब्ध है, जिसमें बाहरी रंगों के मामले में उपभोक्ताओं को 5 विकल्प दिए गए हैं। पांच सीटों के साथ इसमें स्टैंडर्ड (एसडब्ल्यूबी) और लॉन्गव्हील बेस्ड (एलडब्ल्यूबी) दोनों डिजाइन मिलते हैं। नई रेंज रोवर का एलडब्ल्यूबी मॉडल सात वयस्कों को अतिरिक्त आराम और सुविधा प्रदान के लिए सीटों की तीसरी पंक्ति के साथ उपलब्ध है।

मारुति सुजुकी की कारें महंगी हुईं

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने अपने विभिन्न मॉडलों के दाम 4.3 प्रतिशत तक बढ़ा दिए हैं। कंपनी ने शनिवार को कहा कि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि के बोझ को आंशिक रूप से कम करने के लिए उसे यह कदम उठाना पड़ा है। कंपनी ने अपने विभिन्न मॉडलों की कीमतों में 0.1 से 4.3 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि दिल्ली शोरूम में विभिन्न मॉडलों की भारित औसत कीमत में 1.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मारुति आल्टो से लेकर एस-क्रॉस मॉडल बेचती है। इनकी कीमत 3.15 लाख रुपए से 12.56 लाख रुपये है। पिछले साल मारुति ने अपनी कारों के दाम तीन बार बढ़ाए थे। पिछले साल जनवरी में मारुति ने कीमतों में 1.4 प्रतिशत, अप्रैल में 1.6 प्रतिशत और सितंबर में 1.9 प्रतिशत यानी कुल मिलाकर 4.9 प्रतिशत की वृद्धि की थी। कंपनी ने पिछले महीने कहा था कि आवश्यक जिंसों मसलन इस्पात, एल्युमीनियम, प्लास्टिक और बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में पिछले एक साल के दौरान आए उछाल की वजह से उसे अपने वाहनों के दाम बढ़ाने पड़ेंगे।

शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा: बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में रही हल्की तेजी

मुंबई ।

कोरोना के नए स्वरूप ओमीक्रोन के बढ़ते मामले और वै श्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में हल्की बढ़त दर्ज की गई। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार के पांच कारोबारी दिनों में चार दिन सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार को तेजी दर्ज की गई और शुक्रवार को हल्की गिरावट देखी गई। इस प्रकार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स सेंसेक्स 478 अंक की तेजी के साथ 60223 पर खुला और 650.98 अंक की तेजी के साथ 60,395.63 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 142 अंक बढ़कर 17,955 पर खुला और 190.60 अंक की बढ़त के साथ 18,003.30 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 104.68 अंक बढ़कर 60,500.31 पर खुला और 221.26 अंक चढ़कर 60,616.89 पर बंद हुआ। निफ्टी 28.80 अंक की बढ़त के साथ 18,032.10 पर खुला और 52.45 अंक मजबूत होकर 18,055.75 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 397.48 अंक बढ़कर 61,014.37 पर खुला और 533.15 अंक चढ़कर 61,150.04 पर बंद हुआ। निफ्टी 96.50 अंक की बढ़त के साथ 18,152.25 पर खुला और 156.60 अंक बढ़कर 18,213.35 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 99.04 अंक की तेजी के साथ 61,249.08 पर खुला और 85.26 अंक बढ़कर 61,235.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 35.50 अंक बढ़कर 18,247.85 पर खुला और 45.45 अंक की तेजी के साथ 18,257.80 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 434.59 अंक की गिरावट के साथ 60,800.71 पर खुला और 12.27 अंक की गिरावट के साथ 61,223.03 पर बंद हुआ। इसी प्रकार निफ्टी 111.10 अंक की गिरावट के साथ 18,146.70 पर खुला और 2.05 अंक नुकसान के साथ 18,255.75 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में 2.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ एशियन पेंट्स सर्वाधिक नुकसान में रही।

इसके अलावा एक्सिस बैंक, एचयूएल, विप्रो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी और भारती एयरटेल भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में टीसीएस, इन्फोसिस, एल एंड टी, टेक महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं।

16 जनवरी राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के रूप मनाएंगे, युवाओं को नवोन्मेषण का मौका देंगे : मोदी

नयी दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टार्टअप इकाइयों को नए भारत का 'आधार-स्तंभ' बताते हुए शनिवार को कहा कि हर साल 16 जनवरी को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के रूप में मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों के स्टार्टअप कारोबारियों को वर्चुअल तरीके से संबोधित करते हुए कहा, ''स्टार्टअप की यह संस्कृति देश के दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंचे, इसके लिए 16 जनवरी को अब राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया गया है। 'आजादी का अमृत महोत्सव' के एक भाग के रूप में, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा 10 से 16 जनवरी तक एक सप्ताह चलने वाले कार्यक्रम, 'सेलिब्रेटिंग इनोवेशन इको-सिस्टम', का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत ही प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप कारोबारियों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को बताया था कि यह आयोजन स्टार्टअप इंडिया पहल के शुभारंभ की छठी वर्षगांठ के मौके पर किया जा रहा है। मोदी ने इस मौके पर कहा, ''मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपके सभी सुझावों, विचारों और नवाचारों को सरकार से पूरा समर्थन मिलेगा।'' उन्होंने कहा कि स्टार्टअप नए भारत का आधार-स्तंभ बनेंगे और देश 'भारत के लिए नवोन्मेष' और 'भारत से नवोन्मेष' के मंत्र के साथ आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के स्टार्टअप खुद को आसानी से दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंचा सकते हैं, इसलिए उन्हें अपने सपनों को स्थानीय (लोकल) नहीं, बल्कि वैश्विक (ग्लोबल) बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, ''वर्ष 2013-14 में जहां चार हजार पेटेंट को स्वीकृति मिली थी, वहीं पिछले वर्ष इनकी संख्या 28 हजार से ज्यादा हो गई। वर्ष 2013-14 में जहां करीब 70 हजार ट्रेडमार्क पंजीकृत हुए थे, वहीं 2020-21 में ढाई लाख से ज्यादा ट्रेडमार्क पंजीकृत किए गए हैं।'' उन्होंने यह भी बताया कि 2013-14 में जहां सिर्फ चार हजार कॉपीराइट दिए गए थे, वहीं पिछले साल इनकी संख्या बढ़कर 16 हजार के भी पार हो गई है। उन्होंने कहा कि आज देश में 60,000 से अधिक स्टार्टअप इकाइयां हैं। बीते साल 42 यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाली इकाइयां) देश में बने हैं। अब भारत तेजी से यूनिकॉर्न का 'शतक' लगाने की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हज़ारों करोड़ रुपये की ये कंपनियां आत्मनिर्भर होते, आत्मविश्वासी भारत की पहचान हैं। उन्होंने कहा, ''मैं मानता हूं, भारत के स्टार्टअप का स्वर्णिम काल तो अब शुरू हो रहा है। नवोन्मेष को लेकर भारत में जो अभियान चल रहा है, उसी का प्रभाव है कि वैश्विक नवोन्मेषण सूचकांक में भी भारत की रैंकिंग में बहुत सुधार आया है। 2015 में इस रैंकिंग में भारत 81वें नंबर पर था। अब इस सूचकांक में भारत 46वें स्थान पर है।'' मोदी ने कहा, ''भविष्य की प्रौद्योगिकियों के लिए अनुसंधान और विकास में निवेश सरकार की प्राथमिकता है।'' उन्होंने कहा कि इस दशक में नवोन्मेषण, उद्यमिता और स्टार्टअप के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए सरकार जो बड़े पैमाने पर बदलाव कर रही है, उसके तीन अहम पहलू हैं। ''पहला है उद्यमिता को, नवोन्मेषिता को सरकारी प्रक्रियाओं के जाल से मुक्त कराना; दूसरा, नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए संस्थागत प्रणाली बनाना तथा तीसरा, युवा नवोन्मेषकों, उद्यमियों को समर्थन देना।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमारा प्रयास, देश में बचपन से ही विद्यार्थियों में नवाचार के प्रति आकर्षण पैदा करने, नवाचार या नवोन्मेषण को संस्थागत रूप प्रदान करने का है।'' उन्होंने कहा कि चाहे ड्रोन संबंधी नए नियम हों, या फिर नई अंतरिक्ष नीति, सरकार की प्राथमिकता, ज्यादा से ज्यादा युवाओं को नवोन्मेषण का मौका देने की है। इस अवसर पर स्टार्टअप कारोबारियों ने छह विषयों पर प्रस्तुतीकरण भी दिए। इनमें 'ग्रोइंग फॉम रूट्स', 'नजिंग द डीएनए', 'फॉम लोकल टू ग्लोबल', 'टेक्नोलॉजी ऑफ फ्यूचर', 'बिल्डिंग चैम्पियंस इन मैन्युफैक्चरिंग' और 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट' शामिल हैं। इन प्रस्तुतियों के लिए 150 से अधिक स्टार्टअप इकाइयों को छह समूहों में बांटा गया था। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों पर अपने विचार साझा किए जिनमें कृषि में तेजी से आंकड़ों के संग्रहण की प्रणाली, भारत को प्रमुख कृषि कारोबार केंद्र बनाना, प्रौद्योगिकी के उपयोग से स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना, मानसिक स्वास्थ्य की समस्या से निपटना, वर्चुअल टूर जैसे नवोन्मेषी तरीकों से पर्यटन को बढ़ावा देना तथा ऑफलाइन खुदरा बाजार को डिजिटल मंचों से जोड़ना आदि शामिल हैं।

हीरो मोटोकॉर्प एथर एनर्जी में करेगी 420 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली: देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के निदेशक मंडल ने इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता एथर एनर्जी में 420 करोड़ रुपए का निवेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। हीरो मोटोकॉर्प ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि निदेशक मंडल ने एथर एनर्जी में यह निवेश एक या अधिक किस्तों में करने की मंजूरी दी है। प्रस्तावित निवेश के पहले एथर एनर्जी में हीरो मोटोकॉर्प की हिस्सेदारी 34.8 फीसदी है। इस निवेश के बाद उसकी हिस्सेदारी बढ़ जाएगी लेकिन उसकी सही मात्रा एथर की पूंजी जुटाने का दौर पूरा हो जाने के बाद ही तय हो पाएगी। हीरो मोटोकॉर्प के एमर्जिंग मोबिलिटी कारोबार प्रमुख स्वदेश श्रीवास्तव ने कहा, हम एथर एनर्जी के शुरुआती निवेशकों में से एक रहे हैं। हम पिछले कुछ वर्षों में इसकी प्रगति को देखकर खासे रोमांचित हैं। हीरो मोटोकॉर्प इस मार्च में अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन उतारने की तैयारी में है। इसका विकास कंपनी के शोध एवं विकास केंद्र में चल रहा है और चित्तूर संयंत्र में इसका उत्पादन किया जाएगा।

कोविड की सख्त पाबंदियों के चलते न्यूजीलैंड का ऑस्ट्रेलिया दौरा मुश्किल में

वेलिंगटन। कोविड-19 के चलते लागू सख्त सीमा पाबंदियों के कारण न्यूजीलैंड टीम का इस महीने के आखिर में सीमित ओवरों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा मुश्किल में पड़ गया है, क्योंकि अब टीम को अपनी वापसी के लिए वे वारंटीन के लिए स्थान आरक्षित करना होगा। दरअसज न्यूजीलैंड टीम को 24 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया रवाना होना था, जहां उसे 30 जनवरी, 2 फरवरी और 5 फरवरी को वनडे मैच और 8 फरवरी को टी20 मैच खेलने थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने फरवरी के लिए वे वारंटीन स्थान की बुकिंग नहीं की थी, क्योंकि उसे उम्मीद थी कि ऑस्ट्रेलिया से लौटने वाले न्यूजीलैंड के नागरिकों को ऐसा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पहले जनवरी के हाफ तक ही ऐसा करना अनिवार्य था, लेकिन अब ओमिक्रोन वैरिएंट के प्रसार के बाद उसे बढ़ाकर फरवरी के आखिर तक कर दिया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शुक्रवार को कहा कि उसे उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया दौरा होगा, लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से विकल्पों पर बात की जा रही है। इसमें टीम की ऑस्ट्रेलिया से वापसी में देरी या नये सिरे से कार्यक्रम बनाना शामिल है। एक प्रवक्ता ने बताया कि जब तक वापसी की योजना नहीं बन जाती, टीम ऑस्ट्रेलिया नहीं जाएगी। वहीं इससे पहले न्यूजीलैंड ने अपने पृथकवास नियमों के कारण अंडर 19 वर्ल्ड कप टूर्नामेंट से भी नाम वापिस ले लिया था।

साउथ अफ्रीका में हार के बाद विराट ने छोड़ी कप्तानी

कहा -मैं अपनी टीम के साथ बेइमानी नहीं कर सकता

नई दिल्ली ।

साउथ अफ्रीका सीरीज में शर्मनाक हार के बाद विराट कोहली ने टेस्ट से कप्तानी छोड़ दी है। विराट कहोली ने एक स्टेटमेंट के जरिए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने शनिवार शाम एक स्टेटमेंट जारी कर इस बात की सूचना दी। विराट ने कहा कि मैं हमेशा हर चीज में 120 प्रतिशत योगदान देना चाहता हूं, अगर मैं ऐसा नहीं कर पाता हूं तो यह गलत होगा। मैं इस बात को लेकर एकदम स्पष्ट हूं और मैं अपनी टीम के साथ बेइमानी नहीं कर सकता हूं। विराट कोहली ने कहा, टीम को सही दिशा में ले जाने के लिए मैंने 7 साल तक हर दिन कठिन परिश्रम किया। मैंने अपना काम पूरी ईमानदारी के साथ किया और इसमें कोई कसर नहीं छोड़ी।

कोहली ने टी-20 वर्ल्ड कप के शुरू होने से पहले ही इस फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी थी। वहीं, साउथ अफ्रीका दौरे से पहले उनको वनडे की कप्तानी से पद से भी हटा दिया गया था। चयनकर्ताओं ने कहा था कि भारतीय क्रिकेट के दो कप्तान नहीं हो सकते। साउथ अफ्रीका सीरीज से पहले विराट कोहली को वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया था। चयनकर्ताओं ने अपने बयान में कहा था कि हमने कोहली को टी-20 की कप्तानी छोडऩे से मना किया था, लेकिन उन्होंने हमारी बात नहीं मानी और सफेद बॉल के दो कप्तान नहीं हो सकते। वहीं, विराट ने टी-20 वर्ल्ड कप के शुरू होने से कुछ ही समय पहले कह दिया था कि वह अब इस फॉर्मेट में टीम का कमान नहीं संभालेंगे और केवल टेस्ट और वनडे फॉर्मेट की कप्तानी पर ध्यान देंगे।

-बीसीसीआई को धन्यवाद

कोहली ने कहा कि मैं बीसीसीआई को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उसने इतने लंबे समय तक मुझे अपने देश की अगुआई करने का मौका दिया। इसके साथ ही मैं अपने साथियों का भी शुक्रिया करना चाहता हूं जिन्होंने पहले दिन से ही मेरे विजन पर भरोसा किया और किसी भी स्थिति में हथियार नहीं डाले। आपने मेरे सफर को यादगार और खूबसूरत बना दिया है। रवि भाई और सपोर्ट ग्रुप इस गाड़ी के इंजिन के तौर पर रहे, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट को लगातार ऊंचा उठाया है। आप सबने मेरे विजन को हकीकत में बदलने में अहम भूमिका निभाई है। आखिर में एमएस धोनी को बहुत ज्यादा शुक्रिया, जिन्होंने मुझ पर एक कप्तान के तौर पर बहुत ज्यादा भरोसा किया है। उन्होंने मुझे इस लायक समझा कि मैं भारतीय क्रिकेट को आगे लेकर जा सकता हूं।

टीका न लगाने पर जोकोविच को पुलिस ने होटल में किया बंद

ऑस्ट्रेलियन ओपन में बवाल जारी

मेलबर्न । महामारी कोरोना से बचाव के एकमात्र विकल्प वैक्सीनेशन से परहेज करने के कारण दूसरी बार वीजा रद्द होने के बाद दुनिया के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच फिर आव्रजन हिरासत में हैं। जोकोविच की वीजा रद्द होने के खिलाफ उनकी अपील पर सुनवाई उच्च न्यायालय में होगी। फेडरल कोर्ट में मामले की सुनवाई रविवार को होगी जबकि सोमवार से साल का पहला ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन2022 शुरू हो रहा है। पुलिस ने उस इमारत के पीछे की लेन बंद कर दी है जहां नोवाक जोकोविच के वकील ठहरे हैं। शनिवार को दोपहर के समय दो वाहन वहां से बाहर निकले। टीवी फुटेज में जोकोविच को पीछे की सीट पर मास्क पहने बैठे दिखाया जब वाहन आव्रजन हिरासत होटल के बाहर रुका। ऑस्ट्रेलियाई एसोसिएट प्रेस ने बताया कि जोकोविच फिर हिरासत में हैं। उन्होंने पहले भी चार रातें इसी होटल में बिताई थीं। आव्रजन मंत्री एलेक्स हॉके ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने मंत्री के तौर पर अपने विशेषाधिकार का प्रयोग करके सर्बिया के इस 34 वर्षीय खिलाड़ी का वीजा जनहित आधार पर रद्द कर दिया है। हॉके ने कहा कि उन्होंने जनहित को ध्यान में रखकर स्वास्थ्य कारणों से यह फैसला लिया है। उन्होंने एक बयान में कहा, 'मौरिसन सरकार ऑस्ट्रेलियाई सीमाओं की कोरोना महामारी के इस दौर में रक्षा करने को लेकर प्रतिबद्ध है।' जोकोविच का वीजा दूसरी बार रद्द हुआ है। पिछले सप्ताह मेलबर्न पहुंचते ही ऑस्ट्रेलिया सीमा बल द्वारा उनका वीजा रद्द कर दिया गया था क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के कड़े कोरोना टीकाकरण नियमों से मेडिकल छूट के लिए जरूरी मानदंडों पर वह खरे नहीं उतरते थे। नोवाक जोकोविच ने चार रात पृथकवास होटल में बिताई जिसके बाद सोमवार को जज ने उनके पक्ष में फैसला दिया। इस बीच जोकोविच ने सोशल मीडिया पोस्ट में स्वीकार किया था कि उनके यात्रा विवरण फॉर्म में गलती थी लेकिन उन्हें इसे अपने एजेंट द्वारा अनजाने में की गई मानवीय गलती बताया।

दो और खिलाड़ी ने इंडिया ओपन से हटे, ब्रायन यंग भी बाहर

नई दिल्ली ।

कोरोना के कारण दो और खिलाड़ियों ने योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ से अपने मिश्रित युगल सेमीफाइनल मुकाबले से पहले नाम वापिस ले लिया है। दूसरी वरीयता प्राप्त रूसी मिश्रित युगल खिलाड़ी रोडियोन अलीमोव कोरोना संक्रमित हुई, जिन्होंने चार लाख डॉलर ईनामी राशि के टूर्नामेंट से नाम वापिस ले लिया। उनकी मिश्रित युगल जोड़ीदार एलिना दावलेतोवा को करीबी संपर्क में रहने के कारण नाम वापिस लेना पड़ा । इंडोनेशिया के योंग केइ टैरी ही और वेइ हान तान को वाकओवर मिल गया। विश्व बैडमिंटन महासंघ ने कहा,बैडमिंटन विश्व महासंघ इसकी पुष्टि करता है कि मौजूदा ड्रॉ में से एक खिलाड़ी पॉजिटिव हुआ है, जिसने योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2022 से नाम वापिस लिया।यह खिलाड़ी शुक्रवार को अनिवार्य आरटी पीसीआर जांच में पॉजिटिव पाया गया। उसके करीबी संपर्क में रहने वाली जोड़ीदार ने भी नाम वापिस ले लिया है। उनके प्रतिद्वंद्वियों को वाकओवर दिया गया है। इस बीच विश्व चैम्पियन लो कीन यू भी पुरूष एकल फाइनल में पहुंच गए क्योंकि सेमीफाइनल में उनके प्रतिद्वंद्वी ब्रायन यांग ने गले में खराश और सिरदर्द के कारण नाम वापिस ले लिया। उनकी कोरोना जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। रूस की महिला युगल टीम की सदस्य एकातेरिना मालकोवा और अनास्तासिया शापोवालोवा ने भी एकातेरिना की कमर में दर्द के कारण नाम वापिस ले लिया।सेमीफाइनल में उनकी प्रतिद्वंद्वी रूस की ही अनास्तासिया एकचुरिना और ओल्गा मोरोजोवा फाइनल में पहुंच गई।

जूनियर महिला शिविर के लिए हॉकी इंडिया ने 66 खिलाड़ियों की घोषणा की

नई दिल्ली।

हॉकी इंडिया ने आगामी विश्व कप के लिए खिलाड़ियों के चयन को ध्यान में रखते हुए सोमवार से बेंगलुरू में भारतीय खेल प्राधिकरण में शुरू होने वाले जूनियर महिला राष्ट्रीय शिविर के लिए 66 खिलाडियों को चुना है। खिलाडियों का चयन 2021 में हॉकी इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त घरेलू जूनियर प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। महासंघ ने कहा कि शिविर कोर संभावित खिलाडियों के चयन को ध्यान में रखकर लगाया जाएगा। शिविर की अहमियत बताते हुए भारतीय महिला टीम की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन ने कहा कि

खिलाडियों का चयन जूनियर विश्व कपको ध्यान में रखकर किया गया है जो अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा जिसे देश में ओमीक्रोन वैरिएंट के मामले बढने के बाद स्थगित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि खिलाडियों का चयन सिर्फ इस साल होने वाले आगामी जूनियर महिला टूर्नामेंट को ध्यान में रखते हुए ही नहीं बल्कि 2023 में होने वाले अगले विश्व कप और 2028 ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। शॉपमैन ने कहा कि हम टूर्नामेंट में अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम भेजना चाहते हैं और अभी हमें अतिरिक्त समय मिल गया है तो यह शिविर उन खिलाडियों को पहचानने में हमारी मदद करेगा जो भविष्य में बड़े मंच पर अपनी प्रतभा दिखा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सभी के लिए सीखने का मौका भी है और हमारे लिए यह सुनिश्चित करने का मौका है कि हम अपनी अगली चुनौती के लिए तैयार हैं।

संक्षिप्त समाचार

डीआरएस विवाद- तीसरे टेस्ट में किसी चार्ज का सामना नहीं करना पड़ेगा टीम इंडिया को

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को साउथ अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में संपन्न तीसरे टेस्ट में डीआरएस विवाद के लिए किसी चार्ज का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह विवादास्पद घटना तीसरे दिन के खेल के दौरान हुई, जब डीआरएस ने दक्षिण अफ्रीका के कप्तान डीन एल्गर को आउट होने से बचा लिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों को मैदान पर अपने गुस्से का इजहार करते हुए देखा गया। ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की एक फुल लेंथ डिलीवरी एल्गर के पैड पर जा टकराई और मैदानी अंपायर मराइ इरास्मस ने अपनी उंगली खड़ी कर दी। एल्गर ने रिव्यू लेने का फैसला किया, लेकि रिव्यू के लिए जाते वक्त वह बहुत आश्वस्त नहीं दिखे। हालांकि, बॉल-ट्रैकिंग तकनीक में दिखा कि गेंद स्टंप्स के ऊपर से जा रही है। अंपायर इरास्मस भी इस फैसले से दंग रह गए। इस तरह एल्गर को जीवनदान मिला, जिसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने अपना गुस्सा स्टंप माइक्रोफोन के पास निकाला। रविचंद्रन अश्विन ने आधिकारिक प्रसारक सुपरस्पोर्ट पर घरेलू टीम का पक्ष लेने का आरोप भी लगाया। 35 वर्षीय अश्विन को यह कहते हुए सुना गया, 'आपको जीतने के बेहतर तरीके खोजने होंगे सुपरस्पोर्ट।' भारतीय खिलाड़ियों की इन हरकतों की कुछ फैंस एवं विशेषज्ञों ने काफी आलोचना की। हालांकि आईसीसी के मैच अधिकारियों ने टीम के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मैच अधिकारियों की भारतीय टीम प्रबंधन से आचार संहिता को लेकर बात हुई थी। भारतीय कप्तान विराट कोहली भी बातचीत का हिस्सा थे। सौभाग्य से मेहमान टीम के किसी भी खिलाड़ी के खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया गया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस विवाद के बारे में बोलते हुए कोहली ने कहा कि उन्हें और उनकी टीम को पता है कि क्या हुआ है। हालांकि उन्होंने फैसले के बारे में कुछ भी टिप्पणी करने से परहेज किया। कोहली ने कहा, 'हम समझ गए कि मैदान पर क्या हुआ। बाहर के लोगों को मैदान में क्या हो रहा है, इसका सटीक विवरण नहीं पता है। इसलिए मेरे लिए मैदान पर जो किया उसे सही ठहराने की कोशिश करना और यह कहना कि हम भावनाओं में बह गए। अगर हम हावी हो जाते और वहां तीन विकेट लेते, तो शायद यही वह क्षण रहता जो खेल की दिशा बदल देता।' इसी बीच, दक्षिण अफ्रीका ने निर्णायक टेस्ट में सात विकेट की जीत के साथ सीरीज पर 2-1 से कब्जा कर लिया। दोनों टीमें अब 19 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में आमने-सामने होंगी।

विश्व कप से वापसी करेंगे क्रिस्टियन

कोपेनहेगन।

डेनमार्क के फुटबॉलर क्रिस्टियन एरिक्सन नवंबर में होने वाले विश्व कप के जरिए एक बार फिर खेल में वापसी करना चाहते हैं। एरिक्सन को यूरोपीय चैम्पियनशिप में फिनलैंड के खिलाफ पहले ही मैच में दिल का दौरा पड़ने के बाद बाहर जाना पड़ा था। उसी के बाद से ही वह खेल से बाहर हैं। 29 वर्ष के एरिक्सन ने जून में हुए उस हादसे के बाद से एक भी मैच नहीं खेला है। वह इटली में खेल नहीं सके थे जिसकी वजह से इंटर मिलान के साथ उनका करार आपसी सहमति से रद्द कर दिया गया था। एरिक्सन ने इससे पहले एक साक्षात्कार में कहा था कि मेरा लक्ष्य कतर में विश्व कप खेलना है। पिछले कुछ समय में उन्होंने अभ्यास शुरू कर दिया है हालांकि अभी वह किसी क्लब से नहीं जुड़े हैं।

अश्विन को विकेट नहीं ले पाना, टीम को काफी नुकसान पहुंच गया : चोपड़ा

नई दिल्ली ।

आकाश चोपड़ा ने साउथ अफ्रीका के साथ समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में रविचंद्रन अश्विन के प्रदर्शन पर निराशा जाहिर की है।अश्विन सीरीज के तीसरे मैच में विकेट हासिल नहीं कर सके। इस बात से पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज काफी निराश दिखेा.अफ्रीका में खेली गई तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में अश्विन ने 64.1 ओवर बॉलिंग की। उन्होंने इस दौरान सिर्फ तीन विकेट झटके। इसमें से दो बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में लिए थे। आकाश चोपड़ा ने कहा कि अश्विन का विकेट न ले पाना भी सीरीज में भारत की हार की एक वजह रही। चोपड़ा ने कहा, अश्विन से काफी उम्मीदें थीं। मेरी राय में अश्विन का विकेट न ले पाना, खास तौर पर चौथी पारी में. मुझे लगता है कि इससे टीम को काफी नुकसान हुआ।% चोपड़ा ने कहा कि अश्विन के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव देखा गया। वह सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए लेकिन बल्ले से भी प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उन्होंने कहा, %जडेजा वहां नहीं थे,तब अश्विन का खेलना तय था। उन्हें नंबर सात पर बल्लेबाजी करनी थी,तब अश्विन से सभी को रनों की उम्मीद थी। उन्होंने एक अच्छी पारी भी खेली। 46 रन बनाए। पर क्या उन्होंने हर बार रन बनाए, नहीं, क्या वह हर बार रन बनाएंगे, नहीं!% अश्विन ने छह पारियों में कुल 89 रन बनाए। तीन मैचों की सीरीज में उनका हाईएस्ट 46 रन का रहा जो उन्होंने वॉन्डर्स की पहली पारी में बनाए थे। अश्विन और जडेजा की प्रतिस्पर्धा पर भी चोपड़ा ने अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि अगर अश्विन विदेशी मैदानों पर विकेट नहीं लेते हैं,तब जडेजा को ही टीम में जगह मिलेगी।% उन्होंने कहा, %चूंकि जडेजा और अश्विन में मुकाबला है तो आपको हमेशा विकेट लेने होंगे। अगर आपको बल्लेबाजी के आधार पर किसी को चुनना पड़े तो फिर जडेजा की जगह बनती है। अगर आपको गेंदबाजी के आधार पर चुनना है, तो उन दोनों का प्रदर्शन बराबर ही है।% चोपड़ा ने माना कि विदेशी पिचें अश्विन के मुफीद नहीं होतीं लेकिन उन्होंने माना कि इसके बावजूद वह कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाए। उन्होंने कहा, %मैं थोड़ा निराश हूं। मुझे काफी उम्मीदें थीं। मुझे लगता था कि वह कुछ करेंगे, वह कुछ अधिक योगदान दे। फिर चाहे वह जोहानिसबर्ग की पिच हो या फिर केपटाउन का विकेट। बेशक, वहां पिचें बहुत ज्यादा टर्न नहीं होंगे लेकिन गेंद से उनका योगदान कुछ भी नहीं था।%

टीम इंडिया की हार के बाद वॉन और वसीम जाफर के बीच नोकझोंक

नई दिल्ली । विराट कोहली के नेतृत्व वाली टीम इंडिया को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ भारत की दक्षिण अफ्रीका में पहली बार सीरीज जीतने की उम्मीदों पर भी पानी फिर गया है। तीसरे टेस्ट में टीम इंडिया पहली पारी के बाद 13 रन से आगे थी, मगर मेजबान ने शानदार वापसी करते हुए चार दिन में ही मैच अपने नाम करते हुए 2-1 से सीरीज जीत ली। विराट कोहली की टीम को इस हार के बाद आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच मैच खत्म होने के बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर के बीच सोशल मीडिया पर नोकझोंक भी देखने को मिली। दोनों के बीच सोशल मीडिया पर नोकझोंक चलती रहती है। मैच खत्म होने के कुछ मिनट बाद ही वॉन ने जाफर को यह पूछते हुए चिढ़ाया कि वह ठीक हैं। वॉन ने ट्वीट किया कि सिर्फ चेक कर रहा हूं कि आप ठीक हैं। जाफर ने वॉन को जवाब देने में जरा भी देर नहीं की। ऐसा लग रहा था कि जैसे जाफर जवाब देने के लिए पहले से ही तैयार बैठे हैं। उन्होंने कहा हां सभी ठीक है माइकल। मत भूलना कि हम अभी भी आपसे 2-1 से आगे हैं।

नडाल सहित कई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच विवाद से उकता गए

मेलबर्न ।

कोरोना का टीका नहीं लगवाने के कारण दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच खासे चर्चा में हैं। 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन राफेल नडाल सात महीने बाद पहला ग्रैंडस्लैम मैच खेलने जा रहे हैं। नडाल बाएं पैर की चोट के कारण पिछले सीजन के आखिरी हाफ में एक ही टूर्नामेंट खेल पाए थे। लिहाजा ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2022 से पहले प्रेस कांफ्रेंस में उनसे पूछने के लिए बहुत कुछ था लेकिन सवाल सिर्फ नोवाक जोकोविच को लेकर हुए। नडाल सहित कई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच विवाद से उकता गए हैं। कोरोना का टीका नहीं लगवाने के कारण दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच का वीजा दूसरी बार रद्द कर दिया गया है। फिलहाल जोकोविच आव्रजन हिरासत में हैं। जोकोविच की वीजा रद्द होने के खिलाफ उनकी अपील पर सुनवाई उच्च न्यायालय में होगी। फेडरल कोर्ट में मामले की सुनवाई रविवार को होगी जबकि सोमवार से साल का पहला ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन शुरू हो रहा है। राफेल नडाल से जब इस मसले पर पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं इस स्थिति से आजिज आ चुका हूं।% यह शब्द और हाव भाव इस समय नडाल के ही नहीं बल्कि अधिकांश टेनिस खिलाड़ियों के हैं। नडाल ने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई ओपन एक खिलाड़ी से ज्यादा महत्वपूर्ण है। वह खेल रहा है तो अच्छी बात है लेकिन नहीं भी खेल रहा है तो यह बहुत बड़ा टूर्नामेंट है। वह खेले या नहीं खेले।' स्पेन की दो बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन गार्बाइन मुगुरूजा ने कहा, 'इन हालात से बचा जा सकता था अगर टीका लगवा लिया होता। हम सभी ने लगवाया है। ऑस्ट्रेलिया आने के लिये जो जरूरी है, वह करना चाहिये था।' उन्होंने कहा, 'सभी को नियम पता हैं और उनका पालन करना जरूरी है।' यूनान के स्टेफानोस सिटसिपास ने कहा, 'इस समय इसी का चर्चा है। लोग इसके बारे में ही बात कर रहे हैं। मैं टेनिस के बारे में बात करने आया हूं। पिछले कुछ दिनों से टेनिस पर बात ही नहीं हो रही है जो शर्मनाक है।'

अब बोर्ड एक ही स्थान पर वनडे सीरीज के 2 मैच करवाने पर कर रहा विचार

-कोरोना के कारण वेस्टइंडीज के विरुद्ध टीम इंडिया का बदल सकता है शेड्यूल

नई दिल्ली ।

कोरोना से खेसों को अभी मुक्ति नहीं मिल रही लिहाजा लगातार खेल स्पर्धाएं प्रभावित हो रही हैं। अगले महीने वेस्टइंडीज की टीम को भारत का दौरा करना है, जहां उसे मेजबान के साथ 6 सीमित ओवर्स मैच खेलने हैं, मगर एक बार फिर कोरोना वायरस के मामले बढ़ने लगे है, जिसने बीसीसीआई का सिरदर्द बढ़ा दिया है। अब बोर्ड एक ही स्थान पर वनडे सीरीज के 2 मैच करवाने पर विचार कर रहे है। अगर इस महामारी के बीच वेस्टइंडीज की टीम भारत का दौरा करती है तो वनडे सीरीज के 2 मैचों की मेजबानी ईडन गार्डन कर सकता है। इससे पहले के शेड्यूल के अनुसार ईडन को 12 फरवरी वाले मैच की ही मेजबानी करनी थी। टेलीग्राफ के अनुसार अहमदाबाद पहले वनडे मैच की मेजबानी करेगा, जबकि 9 और 12 फरवरी को खेले जाने वाले दोनों मैच ईडन में होंगे। ईडन गार्डन में पिछला इंटरनेशनल मैच नवंबर 2021 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी20 मैच खेला गया था। फिलहाल टीम इंडिया साउथ अफ्रीका दौरे पर है, जहां वो मेजबान के हाथों पहले ही 1-2 से टेस्ट सीरीज गंवा चुकी है और अब उसकी कोशिश 19 जनवरी से शुरू होने वाली 3 वनडे मैचों की सीरीज पर टिकी हुई है। भारत को मेजबान के साथ 19, 21 और 23 जनवरी को वनडे मैच खेलने है। बीसीसीआई कैरेबियाई टीम की 3 वनडे और 3 टी20 मैचों की मेजबानी करेगा। पहले दोनों के बीच वनडे सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद टी20 सीरीज का आयोजन होगा। शेड्यूल के अनुसार 9 फरवरी को दोनों के बीच खेला जाने वाला सीरीज का दूसरा वनडे जयपुर में होना है, मगर इसकी मेजबानी अब कोलकाता को मिलने की संभावना अधिक है। इसके बाद कटक, विशाखापट्टनम और तिरुवनंतपुरम में 15 से 20 फरवरी तक 3 टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी, मगर देश में बढ़ते कोरोना केस के चलते बोर्ड अधिक यात्रा से बचने के लिए 6 मैचों का आयोजन 6 की बजाय 3 जगहों पर कर सकता है।

कैरेबियाई टीम 1 फरवरी को अहमदाबाद पहुंचेगी और इसके बाद वह 3 दिन के लिए आसोलेशन में रहेगी।

कप्तान कोहली की गलती से टीम इंडिया को मिली पराजय, अफ्रीकी कप्तान का दावा

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम के मुखिया डीन एल्गर ने कहा कि डीआरएस विवाद से उन्हें भारत के खिलाफ निर्णायक तीसरे टेस्ट में लक्ष्य तक पहुंचने का समय मिल गया। उन्होंने कहा कि इस विवाद के चलते विराट कोहली की अगुवाई वाली भारतीय टीम का ध्यान भटक गया था। एल्गर को पगबाधा आउट देने का फैसला तीसरे अंपायर ने बदल दिया क्योंकि हॉकआई तकनीक में गेंद को स्टम्प के ऊपर से जाते हुए दिखाया गया। इससे भारतीय खेमा नाराज हो गया और कप्तान कोहली, उपकप्तान केएल राहुल और सीनियर ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने दक्षिण अफ्रीकी प्रसारक सुपर स्पोटर्स को स्टम्प माइक पर तंज कसे। जीत के लिए 212 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने उस समय एक विकेट पर 60 रन बनाए थे। भारतीय टीम डीआरएस विवाद में उलझ गई और मेजबान ने अगले आठ ओवर में 40 रन बना डाले। डीन एल्गर ने कहा, 'इससे हमें समय मिल गया और हमने तेजी से रन बनाये। इससे लक्ष्य तक पहुंचने में मदद मिली।' उन्होंने कहा, 'इससे हमें फायदा हुआ। उस समय वे मैच के बारे में भूल ही गए थे और जज्बाती हो गए थे। मुझे इसमें काफी मजा आया। शायद वे दबाव में थे और हालात उनके अनुकूल नहीं थे जबकि उन्हें इसकी आदत नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हम बहुत खुश थे लेकिन तीसरे और चौथे दिन अच्छी बल्लेबाजी करनी थी क्योंकि पिच से गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। हमें अतिरिक्त अनुशासन के साथ अपने बेसिक्स पर अडिग रहकर खेलना था।' बॉक्सिंग डे टेस्ट में 113 रन से हार के बाद एल्गर ने टीम के साथ तल्ख बातचीत की जिसका नतीजा अनुकूल रहा। उन्होंने कहा, 'घरेलू सीरीज का पहला मैच हारना कभी भी आदर्श नहीं होता।

शहर के डिंडोली विस्तार में स्थित सी.आर. पाटील रोड की गायत्री नगर सोसाइटी में

नवान्हपारायण अखंड रामायण पाठ का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत।

शहर के डिंडोली विस्तार में स्थित सी.आर. पाटील रोड की गायत्री नगर सोसाइटी में सांई बाबा मंदिर के अंदर श्री रामकुटीर नारायणधाम नंदीग्राम अयोध्या के महाराज संत श्री हरिनारायण दास जी महाराज द्वारा 16 जनवरी 2022 से नवान्हपारायण अखंड रामायण पाठ का संकल्प लिया गया है। महाराज ने अपने वक्तव्य में बताया कि पिछले 10 वर्षों से अन्न ग्रहण नहीं किया हूं सिर्फ फलाहरी से जीवन यापन कर रहा हूं और मैं अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए इसी डिंडोली के पांडे नगर सोसाइटी में शाकंबरी माता मंदिर के अंदर, अंडर ग्राउंड में वर्ष 2012 से 2015 तक 3 वर्ष लगातार अंदर रहकर 108 अखंड रामायण पाठ का संकल्प लिया था, जिसे पूरा कर 108 कुंडी महायज्ञ का वराछा में आयोजन किया था। जो भली-भांति संपन्न हुआ और ऊपर वाले की कृपा से मेरी मांग पूरी हुई सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार अयोध्या की राम मंदिर का फैसला हुआ और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा भारत के प्रधानमंत्री द्वारा मंदिर निर्माण कार्य करवाया जा रहा है जिसे देखकर मुझे प्रसन्नता हो रही है। उसी के उपलक्ष में एक बार फिर डिंडोली विस्तार की गायत्री नगर सोसाइटी में साईं बाबा मंदिर में नवान्हपारायण अखंड रामायण पाठ का कार्य उत्तर भारतीय विकास परिषद सूरत शहर संयोजक राजनाथ मिश्रा तथा काशी प्रसाद तिवारी, संजय तिवारी, रमेश तिवारी भारतीय जनता पार्टी सूरत शहर महामंत्री, तथा विनोद तिवारी व रामलाल पांडे, शिव नाथ पांडे, जैसे लोगों की सहायता से नवान्हपारायण अखंड रामायण पाठ का आयोजन संपन्न करना है । जिसके लिए काशी प्रसाद तिवारी तथा संजय तिवारी द्वारा महाराज को रामचरितमानस रामायण तथा सुंदरकांड की किताब दान में भेट प्रदान की गई है। यह दान कार्यक्रम काशी प्रसाद तिवारी जो उमंग लेबर यूनियन के जनरल सेक्रेटरी है उनकी ऑफिस में लोगों की उपस्थिति में रामचरितमानस रामायण तथा सुंदरकांड की किताब लोगों द्वारा भेंट प्रदान किया गया ।

सिटी बस ने एक राहगीर को मारी टक्कर, गुस्साए लोगों ने बस में लगाई आग

सूरत।

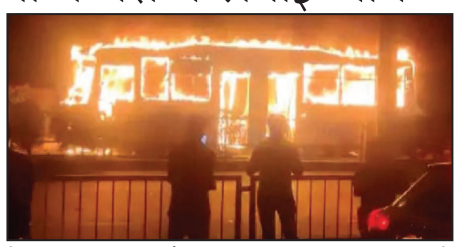

शहर के सरथाणा क्षेत्र में सिटी बस दवारा एक राहगीर को चपेट में लिए जाने के बाद बवाल मच गया। घटना से गुस्साए लोगों ने सिटी बस में आग लगा दी। खबर मिलते ही फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाया। इस संदर्भ में पुलिस ने 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक सूरत के सरथाणा में डायमंडनगर के निकट एक युवक सड़क पार कर रहा था। उस वक्त वहां से गुजर रही सिटी बस ने युवक को टक्कर मार दी। बस की टक्कर लगते ही युवक बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और युवक को तुरंत एम्ब्युलैंस 108 की मदद से अस्पताल रवाना किया। जिसके बाद गुस्साए लोगों ने सिटी बस में आग लगा दी। खबर मिलते ही फायर विभाग और पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड के जवानों ने बस में लगी आग पर काबू पाया। हांलाकि तब तक आग में जलकर बस कंकाल बन चुकी थी। पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद लोगों की भीड़ को तितर बितर कर 6 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जिसमें 3 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य तीन लोगों की पहचान के लिए सीसीटीवी फूटेज की मदद से तलाश कर रही है।

गुजरात में कोरोना के दैनिक केसों में आई कमी, 24 घंटों में 9177 नए मरीज, 7 मौतें

अहमदाबाद। गुजरात में दो दिनों से कोरोनो के दैनिक मामलों में कमी आई है। गुरुवार को 11 हजार से अधिक, शुक्रवार को 10 हजार से ज्यादा और आज यानी शनिवार को कोरोना के कुल 9177 मामले दर्ज हुए हैं। हांलाकि दो दिन के मुकाबले आज मृत्यु दर तीनगुना हो गया। पिछले 24 घंटों में राज्य में कोरोना से । मरीजों की जान चली गई, वहीं 5404 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए। शनिवार को राज्यभर में 1. 16 लाख से अधिक लोगों का टीकाकरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में कोरोना के सबसे अधिक 2621 नए केस दर्ज हुए हैं और 2 मरीजों की मौत हो गई। जबकि 2481 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। सूरत कॉर्पोरेशन में 2215 नए केस और 1210 लोगों को डिस्चार्ज किया गया, जबकि 2 मरीजों की मौत हो गई। वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1211, राजकोट कॉर्पोरेशन में 438, सूरत में 282, भावनगर कॉर्पोरेशन में 250, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 218, वलसाड में 201, नवसारी में 175, राजकोट में 149, मेहसाणा में 135, जामनगर कॉर्पोरेशन में 121, गांधीनगर में 102, कच्छ में 87, वडोदरा में 87, बनासकांठा में 81, आणंद में 78, पाटन में 77, मोरबी में 76, गिर सोमनाथ में 67, भरुच में 63, खेडा में 59, अहमदाबाद में 45, भावनगर में 45, दाहोद में 45, सुरेन्द्रनगर में 44, जामनगर में 40, साबरकांठा में 35, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 32, महीसागर में 2 7, अमरेली में 15, पंचमहल में 14, देवभूमि द्वारका में 9, जूनागढ़ में 9, तापी में 7, नर्मदा में 6, पोरबंदर में 6, अरवल्ली में 2, बोटाद में 2 और डांग में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 9177 केस दर्ज हुए हैं। अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 2, सूरत कॉर्पोरेशन में 2, सूरत में 1, नवसारी में 1 और राजकोट में 1 समेत राज्यभर में कोरोना से । मरीजों की पिछले 24 घंटों में मौत हुई है। जबकि 5404 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए। राज्य में अब तक 846375 लोग कोरोना को मात देक चुके हैं, जबकि 10151 मरीज जिंदगी की जंग हार गए। राज्य में 59564 सक्रिय मरीजों में 59504 स्टेबल हैं और 60 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। शनिवार को राज्यभर में 176918 लोगों का टीकाकरण किया गया। जिसमें 6 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 184 को दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 4190 को कोरोना का पहला और 15805 को दूसरा टीका दिया गया। 18 से 45 वर्षीय आयु समूह के 26134 को पहला और 47329 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया। 15 से 18 वर्षीय 43760 किशोरों का पहला टीका लगाया गया। जबकि 36510 नागरिकों को प्रिकॉशन डोज दिया गया। राज्य में अब तक 9 करोड़ 46 लाख 60 हजार 282 नागरिकों का टीकाकरण हो चुका है।

कोरोना मामले बढ़ने से पोष पूर्णिमा पर गुजरात के चार मंदिर श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेंगे

अहमदाबाद।

गुजरात में फिर एक बार कोरोना संक्रमण के तेजी से बढ़ने के कारण आगामी पोष पूर्णिमा पर राज्य के चार बड़े मंदिरों के द्वार श्रद्धालुओं के बंद रहेंगे। आगामी 1। जनवरी को पोष पूर्णिमा पर श्रद्धालु अंबाजी, खेडब्रह्मा, शामलाजी और डाकोर जी के दर्शन नहीं कर पाएंगे। कोरोना की तीसरी लहर के बीच राज्य के कई बड़े मंदिरों ने श्रद्धालुओं के लिए द्वार बंद करने का फैसला किया है। बीते दिन अंबाजी ट्रस्ट ने पोष की पूर्णिमा के सभी कार्यक्रमों को रद्द करते हुए 15 से 22 जनवरी तक मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए हैं।

खेडब्रह्मा स्थित अंबिका माता का मंदिर भी आगामी 8 दिनों तक बंद रहेगा और 23 जनवरी के बाद इसके द्वार श्रद्धालुओं के लिए खुलेंगे। शामलाजी के साथ ही डाकोर स्थित रणछोडराय मंदिर भी 1। जनवरी को बंद रहेगा। हांलाकि 18 जनवरी से श्रद्धालु रणछोडराय और शामलाजी के दर्शन कर सकेंगे। पूर्णिमा के अवसर पर मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। राज्यभर में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, ऐसे में लोगों की भीड़ में कोविड नियमों का पालन संभव नहीं है।

प्राकृतिक खेती बंजर जमीन को उपजाऊ और पानी के जलस्त्रोत को सुरक्षित करेगी : राज्यपाल

अहमदाबाद । गुजरात राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने आज कहा कि प्राकृतिक खेती बंजर जमीन को उपजाऊ और जलस्त्रोत को सुरक्षित करेगी7 प्राकृतिक खेती से देश का किसान आत्मनिर्भर और खुशहाल होगा7 राज्यपाल आचार्य देवव्रत केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संसदीय क्षेत्र गांधीनगर के गांवों की किसानशक्ति और ग्रामीण कृषिकारों के साथ प्राकृतिक विषयक मार्गदर्शक सेमिनार को वर्चुयुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे7राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने अहमदाबाद-गांधीनगर के प्रगतिशील किसानों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि रासायनिक खेती के कारण जमीन की उर्वरकता क्षीण हो रही है। कृषि उत्पादन भी लगातार घट रहा है। जल, जमीन और पर्यावरण प्रदूषित होने से लोग असाध्य बीमारियों के शिकार बन रहे हैं। ऐसे में रासायनिक कृषि के इन दुष्परिणामों का निवारण करने के लिए हमें प्राकृतिक कृषि की ओर लौटना होगा और प्राकृतिक कृषि अपनानी होगी। उन्होंने कहा कि गत 16 दिसम्बर 2021 को आणंद कृषि युनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमितभाई शाह ने देश के 8 करोड़ किसानों का आह्वान किया था कि आत्मनिर्भर कृषि- आत्मनिर्भर किसानों से आत्मनिर्भर भारत का संकल्प पूर्ण किया जा सकेगा और भारत के किसानों को समृद्ध बनाने का संकल्प प्राकृतिक कृषि से ही पूरा होगा। वर्तमान समय में प्राकृतिक कृषि की आवश्यकता पर बल देते हुए राज्यपाल ने कहा कि 60 के दशक में रासायनिक कृषि आवश्यकता थी लेकिन आज इसके दुष्परिणाम नजर आ रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग की समस्या का निवारण करने के लिए प्राकृतिक कृषि ही एकमात्र उपाय है। इससे 50 फीसदी जितने पानी की बचत होती है और कृषि की लागत करीब करीब शून्य हो जाती है। राज्यपाल ने कहा कि गाय आधारित प्राकृतिक कृषि वैज्ञानिक रूप से सिद्ध पद्दति है। इससे अनेक किसानों को लाभ हुआ है। खेती की भी बढ़ गई है। हिमाचल प्रदेश में में डेढ़ लाख किसान इस कृषि प्रणाली से उपज ले रहे हैं। इसी प्रकार गुजरात में भी दो लाख से ज्यादा किसानों ने प्राकृतिक खेती को अपनाया है। साथ ही, गत एक माह में 10,000 जितने किसानों को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक कृषि के प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के लिए राजभवन के साथ ही विशेषज्ञों की टीम भी इस दिशा में कार्यरत और प्रयासरत है। हिमाचल प्रदेश का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि एक अभ्यास के मुताबिक हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक कृषि करते किसानों का खर्च 56 फीसदी घटा है जबकि किसानों की आय में 27 फीसदी की वृद्धि हुई है। राज्यपाल ने रसायनयुक्त खेती को तिलांजलि देकर अपनी प्राचीन परम्परा के अनुसार गाय आधारित प्राकृतिक कृषि अपनाने का किसानों से अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि एक देशी गाय के गोबर और गौमूत्र से 30 एकड़ जमीन में प्राकृतिक कृषि की जा सकती है। राज्यपाल ने कहा कि प्राकृतिक कृषि मात्र खेती ही नहीं बल्कि जीवन दर्शन है। रसायनों के अंधाधुंध उपयोग के कारण प्रकृति को हुए नुकसान के दुष्प्रभाव का निवारण करने के लिए प्राकृतिक कृषि क्रांतिकारी परिवर्तन है। प्राकृतिक खेती से जल-जमीन-पर्यावरण की रक्षा होती है। आज समग्र विश्व ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों का सामना कर रहा है इसका कारण जल और पर्यावरण का प्रदूषण है। प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने के कारण प्रदूषण फैला है। आज तो सांस लेने की हवा भी प्रदूषित हुई है। प्राकृतिक कृषि से जमीन की उर्वरकता बनी रहेगी।

गुजरात समेत समूचे देश के किसान प्राकृतिक कृषि अपनाएं : केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह

गांधीनगर (ईएमएस)7 केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गुजरात के कलोल में प्राकृतिक कृषि का लोगो, एफपीओ के माध्यम से कृषि उपज की बिक्री के लिए प्राकृतिक गुजरात मोबाइल एप्प और कृषि उपज की बिक्री के लिए ई-व्हीकल लॉन्च किया। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने संबोधन की शुरूआत केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देश के आज़ाद होने के बाद आबादी बढ़ती गई लेकिन सिंचाई और वैज्ञानिक कृषि का अभाव रहा और इसी के कारण देश के सामने बहुत बड़ा संकट आया कि देश अनाज के मामले में आत्मनिर्भर नहीं था। दुनिया के बड़े बड़े देश खराब गुणवत्ता के गेहूं और चावल देने के लिए शर्तें रखते थे। इसी कारण भारत में हरित क्रांति शुरू हुई और इसके आरंभ से ही रासायनिक खाद का उपयोग शुरु हुआ और देश आत्मनिर्भर हो गया। लेकिन हर दस साल में हर समाज को अपनी पद्धतियों की समीक्षा करनी चाहिए कि हमारी जरूरतें बदली हैं या नहीं, ज़रूरतें पूरी करने के कोई खराब परिणाम तो नहीं मिल रहे, इस प्रकार का स्वमूल्यांकन करना चाहिए। ऐसा देखने में आया कि भारत में रासायनिक खाद के अधिक उपयोग के कारण ज़मीन बंजर होती जा रही है और केमिकल्स के ज्यादा उपयोग से भूमिगत जलस्त्रोत भी दूषित होने शुरू हो गए। इस संकट को पहचानने का काम सबसे पहले देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया। उन्होंने ऐसे विकल्प ढूंढने की शुरूआत की जिनसे रासायनिक खाद का उपयोग बंद हो, कृषि की पैदावर भी अधिक हो, पानी की ज़रूरत कम हो और किसान समृद्ध बनें। यह चारों चीज़ें इकट्ठा होने पर ही हम एक नई हरित क्रांति की शुरुआत कर सकते हैं, जो प्राकृतिक कृषि से सृजित हो और आने वाले कई सालों तक भूमि को खराब करने की बजाय भूमि का संरक्षण और संवर्धन करे और ऐसा करने का एकमात्र मार्ग प्राकृतिक कृषि ही है। श्री अमित शाह ने कहा कि देश के वैज्ञानिकों ने ये प्रमाणित किया है कि प्राकृतिक कृषि भूमि को खराब होने से बचाती है, इससे अनाज, फल, दाल, तेल, गेहूं आदि में रासायनिक पदार्थ की मात्रा कम होती है, हमारा स्वास्थ्य अच्छा होता है, कृषि की पैदावर बढ़ती है, किसान की समृद्धि बढ़ती है, पानी का उपयोग कम होता है और भूमि उर्वरक बनती है। आचार्य देवव्रत जी के नेतृत्व में ये अभियान शुरू करना तय हुआ था। आचार्य देवव्रत जी हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल बने और वहां उन्होंने किसानों तक यह प्रयोग पहुंचाना शुरू किया। इसके बाद जो अनुभव हुए, उस पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से चर्चा की। जब वे गुजरात के राज्यपाल बने तो उन्होंने यहां भी इस अभियान की शुरूआत की। कोरोनाकाल के दौरान भी उन्होंने दो लाख से अधिक किसानों में और ढाई लाख हेक्टेयर से अधिक कृषि योग्य भूमि पर इसकी शुरूआत की। इतने बड़े पैमाने पर भूमि की कृषि पद्धति बदलने में कई दशक लग जाते हैं, लेकिन यहां सिर्फ दो साल में यह परिवर्तन आया, जिसका मतलब है कि गुजरात के किसानों ने इसके लाभ को पहचाना, स्वीकारा और अपने साथियों को भी इसके लिए प्रेरित किया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि इस पूरे अभियान को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 16 दिसंबर के दिन पूरे देश के आठ करोड़ किसानों के सामने रखा था और उन्होंने यह बात बहुत आसानी से समझ ली। कई किसानों ने अपनी कृषि पद्धति को बदलना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री जी ने यह भी बताया कि अगर आपके पास 10 एकड़ भूमि है, तो दो एकड़ से शुरुआत करिए और बाद में और दो एकड़ बढ़ाइए, लेकिन इसकी शुरूआत करनी ही होगी। अगर अन्नदाता ही भविष्य, पृथ्वी और देश के बारे में नहीं सोचेगा तो हम भयानक संकट की ओर बढ़ जायेंगे। उन्होंने कहा कि गुजरात में भूमिगत जलस्तर 1000 से 1200 फीट नीचे चला गया है और हम आज आनेवाली सात पीढ़ियों का पानी पी रहे हैं, हमें इस बात के प्रति जागरुक होना चाहिए और इसके चलते नई पद्धति को सीखने और स्वीकारने की उत्सुकता भी बढ़ानी होगी।

रेल सुरक्षा बल द्वारा अनधिकृत रेलवे टिकट दलालों पर की गई कड़ी कार्रवाई

अहमदाबाद- पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों को लुभाने और उनसे अत्यधिक अवैध कमीशन वसूलने वाले दलालों के खिलाफ निरंतर विशेष अभियान और छापेमारी की कार्यवाही की जाती है। ऐसे दलालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए पश्चिम रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा सभी छह मंडलों में नियमित रूप से विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप लगभग 2.15 करोड़ रुपये मूल्य के ई-टिकटों तथा यात्रा-सह-आरक्षण टिकटों को जब्त किया गया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पश्चिम रेलवे के आरपीएफ ने दलालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के लिए आरपीएफ अपराध शाखा, साइबर सेल और डिवीजनों की डिटेक्टिव जासूस विंग से समर्पित कर्मचारियों की विशेष टीमों का गठन किया। यह देखा गया कि दलाल कई फर्जी आई डी का उपयोग करके टिकट बुक कर रहे थे, जिनमें कुछ अधिकृत आईआरसीटीसी एजेंट भी शामिल थे, जिन्होंने टिकट जारी करने के लिए फर्जी आईडी और अवैध सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जिस के द्वारा यात्रियों से अतिरिक्त पैसे वसूले गए।

2021 में पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने दलाली के 684 मामलों में 734 लोगों को गिरफ्तार किया और कुल 15,263 टिकटों को जब्त किया जिनका मूल्य करीब रु. 2.15 करोड़ था। ठाकुर ने यह भी बताया कि दलालों की गिरफ्तारी और अभियोजन के लिए इस तरह के नियमित अभियानों के अलावा आरपीएफ, पश्चिम रेलवे ने अवैध दलालों से टिकट खरीदने से लोगों को हतोत्साहित करने एवं उन्हें सावधान करने के लिए कई जागरूकता अभियान भी चलाए हैं। इन अभियानों का उद्देश्य यात्रियों को रेलवे अधिनियम की धारा 143 के कानूनी प्रावधानों और अनाधिकृत दलालों से टिकट/ई-टिकट खरीदने के परिणामों के बारे में शिक्षित करना भी है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)